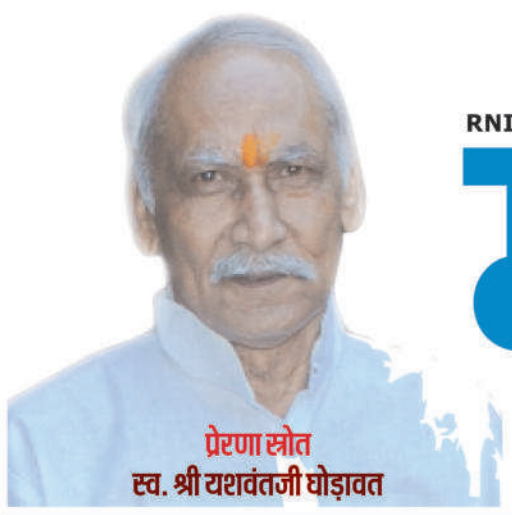
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

हारने वाला वह है जिसने अपने सपनों को छोड़ दिया है, जब तक आप कोशिश कर रहे है।, आप अभी तक हारे नहीं है।

डॉ. मनमोहन सिंह

वर्ष-05, अंक - 15 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 12 जनवरी 2023 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने खवासा-भामल में की शिरकत

नहीं पहुंचे अमृत सरोवर का निरीक्षण करने

समूह की महिलाओ के साथ सामुहिक फोटो खिचवाया मंत्री जी ने।

खवासा बस स्टेण्ड पर मंत्री जी का जमकर हुआ स्वागत।

माही की गूंज, खवासा/भामल।

केंद्रीय इस्पात एवं ग्रामीण राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते एक दिवसीय झाबुआ दौरे पर थे। जिसमें थांदला जनपद के ग्राम खवासा व भामल में मंत्री ने शिरकत दी। लेकिन रत्नी में बने अमृत सरोवर तालाब जो कि, प्रदेश में प्रथम निर्माण होकर प्रशासन अपनी वाह-वाही लूट रहा था, जिसका निरीक्षण करने हेतु मंत्री जी का निर्धारित आयोजन था, लेकिन वहां नहीं पहुंचे।

जिले के प्रशासनिक लाव लश्कर के साथ केंद्रीय राज्यमंत्री फग्गनसिंह कुलस्ते खवासा में करीब पोने तीन बजे पहुंचे। श्री कुलस्ते का भाजपा कार्यकर्ताओं ने खवासा बस स्टैंड पर फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। जिसके बाद शबरीमाता सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र पर पहुंचे। जहां ग्राम ज्योति महिला संघ की महिलाओं ने पुष्प मालाओं से स्वागत किया। मंत्री जी के साथ भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भूरिया, अनुसूचित जनजाति प्रदेशध्यक्ष कलसिंह भाबर, कलेक्टर रजनी सिंह, एसपी अगम जैन, जिला पंचायत सीओ अमन वैष्णव आदि प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित थे।

मंत्री जी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, महिला समूहो के लिए केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार की कई योजनाएं है। महिलाओं को मजबूत करने के लिए करोड़ों रुपए सरकार दे रही है। साथ ही मंत्री जी ने समूह की महिलाओं से कहा जो भी आप अपने सामुदायिक केंद्र पर सामग्री बनाते हैं उन प्रोडेक्ट का पैकिंग कर स्थानीय ग्राम व आस-पास क्षेत्रों में सप्लाई करने की बात कही। जिसके बाद मंत्री जी ने शबरीमाता सामुदायिक केंद्र में लगी मशीनों का निरीक्षण किया। वही समूह की महिलाओं ने सामुदायिक केंद्र पर बनाई जाने वाली दाल, मिर्ची का पैकेट, मास्क, विस्पर आदि बताये।

जिसके बाद मंत्री जी भामल पहुंचे जहां भाजपा कार्यकर्ता उनके स्वागत के लिए खड़े थे, कार्यकर्ताओं से स्वागत करवाकर मंत्री जी का काफिला लौट गया।

मंत्री जी नहीं पहुंचे अमृत सरोवर तालाब पर

प्रदेश में बने प्रथम अमृत सरोवर तालाब का निरीक्षण करने हेतु मंत्री जी के निर्धारित आयोजन अनुसार वहा जाना था। लेकिन समयाभाव या प्रशासन ने मंत्री जी को अपनी बातों में उलझा लिया। जो भी हो मंत्री जी रत्नी में बने अमृतसरोवर तालाब का निरीक्षण करने नहीं पहुंचे और भामल से ही भाजपा कार्यकर्ताओं से स्वागत करवाकर प्रशासनिक काफिले के साथ अपने गतंव्य के लिए रवाना हो गए।

क्षेत्र में मंत्री जी अमृतसरोवर का निरीक्षण किए बिना चले जाने से कई तरह की चर्चा होने लगी। जिसमें कहा जा रहा है जिस अमृतसरोवर तालाब को एसडीएम व कलेक्टर के निर्देश पर 8 लेन निर्माण करने वाली कंपनी जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट लि. कम्पनी की मशीनों से बनाया गया था और भोपाल से लेकर दिल्ली तक वाह-वाही लूटी थी। शायद मंत्री जी मौके पर पहुंचते तो कुछ हकीकत उनके सामने आ जाती।

केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री कुलस्ते ने किया महिला समूह को संबोधित।

भामल में भाजपा कार्यकर्ताओ ने पगडी बाध किया मंत्री जी का स्वागत।

विरोधः करणीसेना के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन को लेकर मुख्यमंत्री के खिलाफ फूटा गुस्सा

कहीं पुतला दहन, तो कहीं अर्थी निकाली, शोक पत्रिका सोशल मीडिया पर वायरल

माही की गूंज, झाबुआ/पेटलावद।

21 सूत्रीय मांगों को लेकर करणीसेना द्वारा 8 जनवरी को भोपाल जम्बूरी मेदान में महारेली आयोजित की गई।

म.प्र. के मुख्यमंत्री ने आत्महत्या करने के उल्लेख के साथ सोषल मिडीया पर वायरल हो रही शोक पत्रिका।

करणीसेना के नेतृत्व में लाखों युवा भोपाल पहुचकर रेली में भाग लिया। रेली के दौरान 6 जनवरी से लेकर 10 जनवरी तक भोपाल की सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आए। महारैली के माध्यम से करणीसेना ने सभी 36 कोम की और से सरकार के सामने 21 मांगे रखी, लेकिन सरकार की और से कोई लिखित आश्वासन नही मिला। जिसके बाद करणीसेना के प्रदेश अध्यक्ष जीवनसिंह शेरपुर के साथ हजारो लोगो के अनशन में बैठने के बाद, क्षेत्र में सरकार और मुख्यमंत्री के खिलाफ गुस्सा फूट पड़ा। यहां जगह-जगह मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के पुतले फूंकने और अर्थी निकालने के आयोजन किये जा रहे हैं। मंगलवार को पेटलावद में तो बुधवार को करवड़ में मुख्यमंत्री का पुतला जलाया गया, करणीसेना के नेतृत्व में गाँव-गाँव मे पुतला जलाने की योजना बनाई जा रही है।

मुख्यमंत्री शोक पत्रिका हो रही वाइरल

इधर विरोध के साथ-साथ मुख्यमंत्री शिवराज सिंह की शोक पत्रिका सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। जिंसमे बताया जा रहा है कि, करणीसेना को 21 सूत्रीय मांगे पूरी नही करने से शिवराज सिंह ने आत्महत्या कर ली। पत्रिका में अंतिम यात्रा, शोकाकुल के नाम ओर स्थान भी बताया जा रहा है। इस प्रकार का कड़ा विरोध सरकार के किसी भी मुख्यमंत्री के विरुद्ध पहली बार देखने मे आ रहा है।

मुख्यमंत्री षिवराज सिंह का किया जा रहा पुतला दहन।

राहुल गांधी के दिमाग में बैठ गई ठंड- गृहमंत्री श्री मिश्रा

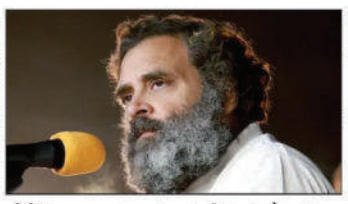

भोपाल। आरएसएस की तुलना कौरवों से किए जाने पर भाजपा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जोरदार पलटवार किया है। राहुल के महाभारत ज्ञान पर तंज कसते हुए मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि, हो सकता है कि उन्होंने महाकाव्य का इटालियन वर्जन पढ़ लिया हो। साथ ही यह भी कहा कि, उनके दिमाग में ठंड बैठ गई है, जिसकी वजह से वह इस तरह की बातें कर रहे हैं।

नरोत्तम मिश्रा ने बुधवार को भोपाल में पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'पता नहीं बाबा हमारा कौन सी महाभारत पढ़ आया। मैंने पहले ही कहा था कि, कोई बताओ इनको की ठंड आ गई है। अब दिमाग में अखंड ठंड बैठ गई है। अब ये कौरवों को नेकर पहने हुए बता रहे हैं। कल पांडवों को टीशर्ट में बताएंगे, आप देखना। लगता है कि, इटालियन संस्करण पढ़ लिया होगा महाभारत का।'

राहुल गांधी ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान सोमवार को अंबाला की एक नुक्कड़ सभा में आरएसएस सदस्यों को '21 वीं सदी का कौरव' कहा था। उन्होंने आरएसएस का परोक्ष जिक्र करते हुए कहा, 'कौरव कौन थे? पहले मैं आपको 21वीं सदी के कौरवों के बारे में बताऊंगा। वे खाकी नेकर पहनते हैं, हाथ में लाठी लेकर चलते हैं और शाखाएं लगाते हैं। भारत के दो-तीन अरबपति कौरवों के साथ खड़े हैं।' उन्होंने कहा, 'क्या पांडवों ने नोटबंदी या गलत जीएसटी जैसा कोई फैसला किया था...? क्या वे ऐसा कभी भी करते...? कभी नहीं। क्यों? क्योंकि वे तपस्वी थे और जानते थे कि, नोटबंदी, गलत जीएसटी, कृषि कानून तपस्वियों को इस धरती से हटाने का तरीका है।'

ब्लास्टः सीआरपीएफ के पांच जवान जख्मी

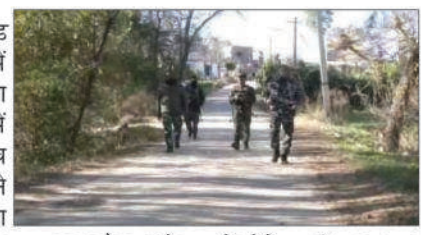

रांची। झारखंड के चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट हुआ है। इस ब्लास्ट में सीआरपीएफ के पांच जवानों के जख्मी होने की खबर सामने आ रही है। जिस जगह पर ब्लास्ट हुआ है, वहां से जवानों को रेस्क्यू किया जा रहा है। बता दें कि, हाल के वर्षों में सरकार ने नक्सल नेटवर्क पर कड़ा प्रहार किया है लेकिन फिर भी कई जगहों पर नक्सली एक्टिव हैं। इन जगहों में झारखंड के अलावा छत्तीसगढ़ और ओडिशा के कई इलाके शामिल हैं।

इससे पहले नवंबर के अंत में सीआरपीएफ के एक डॉग ने झारखंड के जोभी खुटवार इलाके में नक्सलियों द्वारा लगाए गए आईईडी का पता लगाकर बड़ी घटना को टाला था। तब सीआरपीएफ के सीनियर अधिकारियों ने बताया था कि, जोभी खुटवार में आईईडी की खुफिया जानकारी मिलने पर एक तलाशी अभियान शुरू किया गया था। जिस सीआरपीएफ डॉग ने इस आईईडी का पता लगाया वह के9 यूनिट का हिस्सा है, जो पेट्रोलिंग टीम्स की मदद करता है।

अफगान विदेश मंत्रालय के बाहर फिदायीन हमला

नई दिल्ली एजेन्सी। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में भीषण बम धमाका होने की खबर है। यह बम विस्फोट अफगानिस्तान के विदेश मंत्रालय के बाहर हुआ है। अफगान मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक इस बम धमाके में कम से कम 20 लोगों के मारे जाने की खबर है। बड़ी संख्या में लोग जख्मी भी हुए हैं। यह बम धमाका ऐसे वक्त में हुआ, जब अफगान विदेश मंत्रालय के अंदर चीनी अधिकारियों के साथ तालिबान की अहम बैठक चल रही थी। अब तक यह सामने नहीं आया है कि, किस आतंकवादी संगठन ने यह हमला किया है। इसके अलावा किसी संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी भी नहीं ली है।

एएफपी से बातचीत में एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, 'मैं नहीं जानता कि इस धमाके में कितने लोग मारे गए हैं या जख्मी हुए हैं। लेकिन देखा कि, एक शख्स ने खुद को उड़ा लिया है।' यह बम धमाका उस हमले के ठीक तीन दिन बाद हुआ है, जब बम ब्लास्ट में 10 लोगों की मौत हो गई थी और 8 लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। यह हमला काबुल मिलिट्री एयरपोर्ट के बाहर हुआ था। संघर्षरत तालिबान में बीते कुछ महीनों में कई आतंकी हमले हुए हैं। इनमें से कुछ अटैक्स में इस्लामिक स्टेट का अहम रोल था। यही नहीं बीते महीने काबुल में चीनी नागरिक के मालिकाना हक वाले एक होटल को भी निशाना बनाते हुए हमला किया गया था।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अव्यवस्था : सीएम शिवराज ने दो बार मंच से मांगी माफी

इंदौर।

इंदौर में 8 जनवरी से 10 जनवरी और 11 से 12 जनवरी प्रदेश के 2 बड़े आयोजन किया गया। 2 दिन पहले नरेंद्र मोदी ने इस आयोजन में आकर प्रवासी सम्मेलन में शामिल हुए थे। बाद में देश की राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू ने भी इसमें शिरकत की थी, लेकिन नरेंद्र मोदी जिस दिन इंदौर पहुंचे थे कई एनआरआई को कन्वेंशन सेंटर में दाखिल होने से रोक दिया था। जिसके कारण कई एनआरआई नाराज हो गए थे। अव्यवस्था के चलते 1 दिन बाद जिला प्रशासन ने कुछ व्यवस्था की लेकिन 11 जनवरी की सुबह जितने ग्लोबल इन्वेस्टर सम्मिट में अतिथियों को न्योता भेजा गया था। उनको बाहर इंतजार करना पड़ा। इस दौरान सीएम शिवराज ने मंच से दो बार लोगों से माफी मांगी।

पीएम ने वर्चुअली किया संबोधित

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए देशभर के 500 निवेशकों को प्रदेश सरकार द्वारा न्योता भेजा गया था। लेकिन अव्यवस्थाएं यहां पर साफ तौर पर दिखाई दी जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल सभी से जुड़कर चर्चाएं की लेकिन ब्रियन कन्वेंशन सेंटर के बाहर हंगामा चलता रहा पर कोई भी आयोजक समिति का पदाधिकारी बात करने नहीं आया।

कार्यक्रम के दौरान प्रशासन द्वारा किए गए सभी इंतजाम धरे के धरे रह गए। 11 जनवरी को पीएम मोदी का वर्चुअल संबोधन चल रहा था लेकिन इस कार्यक्रम में कई एनआरआई हिस्सा नहीं ले पाए।

आसपास से आए व्यापारी भड़के

इन्वेस्टर सम्मिट में आए मध्यप्रदेश के रतलाम, मंदसौर, नीमच के लगभग 200 से अधिक व्यापारियों द्वारा मीडिया के सामने यह बात रखी गई कि, उन्हें बाकायदा इस समिति के लिए न्योता दिया गया था। जिसके लिए प्रति व्यापारी से 2 हजार रूपये भी लिए गए थे, लेकिन व्यापारी इस बात से नाराज रहे कि, सुबह से उन्हें कन्वेंशन सेंटर के बाहर खड़ा रखा गया। किसी ने पानी तक की व्यवस्था नही दिखाई दी। व्यापारियों का कहना था कि, क्या हमारे एक दिन की कोई कीमत नहीं है।

शिवराज सिंह ने मांगी माफी

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने भी मंच से एनआरआई सम्मेलन में आए सभी लोगों से माफी मांगी थी और कहा था कि, अव्यवस्थाओं के लिए मैं आप सब से माफी मांगता हूं। वहीं भारतीय प्रवासी सम्मेलन में आए कई विदेशी मेहमानों को कन्वेंशन सेंटर के अंदर नहीं जाने दिया गया था।

10 जनवरी को जब राष्ट्रपति द्रोपति मुर्मू मंच पर मौजूद थीं, उनके सामने भी मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंच से ही अव्यवस्थाओं के चलते माफी मांगी थी। लेकिन ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट की सुबह से ही प्रदेश के बाहर से आए इन्वेस्टर का गुस्सा दिखाई दिया।

पीएम ने वर्चुअली किया संबोधित

अपने संबोधन की शुरुआत में पीएम मोदी ने समिट में आए सभी उद्यमियों का

स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि, विकसित भारत में मध्यप्रदेश की भूमिका बहुत अहम है। आस्था-अध्यात्म से लेकर पर्यटन तक, एग्रीकल्चर से लेकर एजुकेशन तथा स्किल डेवलपमेंट तक एमपी अजब भी है, गजब भी है और सजग भी है।

पीएम ने कहा कि, मध्यप्रदेश में यह समिट ऐसे समय में हो रहा है जब भारत की आजादी का अमृतकाल शुरू हो चुका है। हम सभी मिलकर विकसित भारत के निर्माण के काम में लगे हैं। जब हम विकसित भारत की बात करते हैं तो यह सिर्फ हमारा सपना नहीं बल्कि यह हर भारतीय का संकल्प है। मुझे खुशी है कि, हम भारतीय ही नहीं बल्कि दुनिया की हर संस्था, हर एक्सपर्ट इसको लेकर आश्वस्त दिख रहा है।

जाटव और तंवर के कवर में फंसी जनपद पंचायत, वर्षों से जमे बैठे हैं कर्मचारी

जिला पंचायत सीओ ने थमाया, सीईओ को कारण बताओ नोटिस

माही की गूंज, पेटलावद।

जनपद पंचायत ऐसे कर्मचारियों और उपर्यत्रियों से भरी पड़ी है। जो वर्षो से यही जमे बैठे है, इतना ही नही ये कर्मचारी इतने सेटिंगबाज़ हो गए हैं कि, जैसे इनको हवा लगती है की इनका स्थांतरण होना है, तो पहले से नेताओ ओर अधिकारीयो की भेंट पूजा कर मामला रफा-दफा कर देते हैं। किसी कर्मचारी का स्थांतरण इसके बाद भी हो जाता है वो अधिकारीयो की मिलीभगत से वही जमा रहता है और फिर भी दाल नही गलती तो न्यायालय से स्टे लेकर स्टे के नाम पर वही जमा रहता है। जनपद कार्यालय पेटलावद में ऐसे सेटिंगबाज़ कार्मचारीयो की भरमार हैं, जो वर्षो से एक ही जगह पर पदस्थ होकर यहां अधिकारीयो की दलाली का कार्य कर रहे हैं।

जनपद सीईओ को जिले से जारी हुआ नोटिस

ऐसे एक जनपद के कर्मचारी कृपाराम जाटव जो कि, स्थान्तरित हो चुके हैं, लेकिन रिलीव नही हुए। उसको लेकर जनपद सीईओ राजेश दीक्षित को जिला सीओ द्वारा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया हैं। ज़िला सीओ द्वारा जारी कार्यालयीन आदेश क्रमांक/3919-3920/स्था./पं.प्रको./2021 दिनांक 16 अगस्त.2021 के द्वारा कृपाराम जाटव को जनपद पंचायत पेटलावद से रामा स्थानान्तरित किया गया था। किन्तु जनपद पंचायत पेटलावद से जाटव को नवीन पदस्थपना स्थान पर भारमुक्त नहीं किया गया है। स्थानान्तरित कर्मचारियों को कार्यमुक्त होने पर उसका अंतिम वेतन प्रमाण पत्र नवीन पदस्थपना से संबंधित कार्यालय को 7 दिवस में अन्दर आवश्यक रूप से भेजने हेतु निर्देशित किये जाने के बाद भी आपके द्वारा स्थानान्तरित शासकीय सेवक को एक सप्ताह के अन्दर कार्यमुक्त करने में रूचि नहीं ली गई है। आपका उक्त कृत्य पदेन कर्तव्यों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही की श्रेणी में आता है। अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन न करते हुए शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरती जाना प्रमाणित होता है। अतः क्यो न इनके विरूद्ध म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम-1965 की धारा (1), (2) एवं (3) का दोषी मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण एक सप्ताह में प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उक्त पत्र को जारी हुए 8 दिन से अधिक बित गए हैं, लेकिन कार्मचारी आज भी पेटलावद जनपद में पदस्थ है। बताया जा रहा है, जाटव जनपद पंचायत में अधिकारियों के लिए दलाली का कार्य करता है और जनपद में होनी वाली शिकायतो और कार्यवाही को लेकर अधिकारी के लिए भंझगड़ी का कार्य करता है। जिसके चलते नए-पुराने सारे साहब कर्मचारी पर मेहरबान हो कर शासन के आदेशों की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

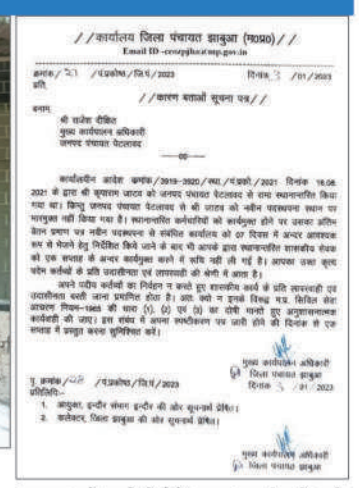

//कार्यालय जिला पंचायत झाबुआ (म0प्र0)//
Email ID -ceozpjhabua@mp.gov.in

//कारण बताओ सूचना पत्र//

श्री राजेश दीक्षित
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत पेटलावद

कार्यालयीन आदेश क्रमांक/3919-3920/स्था./पं.प्रको./2021 दिनांक 16.08.2021 के द्वारा श्री कृपाराम जाटव को जनपद पंचायत पेटलावद से रामा स्थानान्तरित किया गया था। किन्तु जनपद पंचायत पेटलावद से श्री जाटव को नवीन पदस्थपना स्थान पर भारमुक्त नहीं किया गया है। स्थानान्तरित कर्मचारियों को कार्यमुक्त होने पर उसका अंतिम वेतन प्रमाण पत्र नवीन पदस्थपना से संबंधित कार्यालय को 07 दिवस में अन्दर आवश्यक रूप से भेजने हेतु निर्देशित किये जाने के बाद भी आपके द्वारा स्थानान्तरित शासकीय सेवक को एक सप्ताह के अन्दर कार्यमुक्त करने में रूचि नहीं ली गई है। आपका उक्त कृत्य पदेन कर्तव्यों के प्रति उदासीनता एवं लापरवाही की श्रेणी में आता है।

अपने पदीय कर्तव्यों का निर्वहन न करते हुए शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरती जाना प्रमाणित होता है। अतः क्यो न इनके विरूद्ध म.प्र. सिविल सेवा आचरण नियम-1965 की धारा (1), (2) एवं (3) का दोषी मानते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए।

प्रतिलिपि:-
1. आयुक्त, इन्दौर संभाग इन्दौर की ओर सूचनार्थ प्रेषित।
2. कलेक्टर, जिला झाबुआ की ओर सूचनार्थ प्रेषित।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत झाबुआ

स्टे के नाम पर जमा हुआ निर्माण शाखा का पीसीओ रामरतन कंवर

कृपाराम जाटव के साथ-साथ जनपद पेटलावद से पीसीओ रामरतन कंवर का भी स्थांतरण हुआ था। अधिकारीयो से सेटिंगबाज़ कर्मचारी की सेटिंग नही जीम, तो न्यायालय से स्टे लेकर आज भी जनपद पेटलावद की निर्माण शाखा में पदस्थ हो कर बैठा हैं। जबकि स्थान्तरण वर्ष 2021 में लगभग दो वर्ष के पूर्व ही हो गया था। तब से शासन को चुनोती देने वाला कार्मचारी यही जमा हुआ। जिले से मिले कारण बताओ नोटिस से खुलासा होता है कि, किस प्रकार से मामूली कर्मचारी अपनी सेटिंग से एक स्थान पर वर्षो से तक जमे रहने में कामयाब होते है। जनपद पेटलावद में कार्यरत ऐसे कई कर्मचारी है, जो वर्षो से एक ही जगह रह कर काम कर रहे हैं। वर्ष 2023 चुनावी वर्ष है ऐसे में ऐसे कर्मचारियों को तत्काल स्थान्तरित कर देना चाहिए ताकि चुनाव प्रभावित न हो सके।

अवैध रुप से चल रहे जुए, सट्टे पर कार्रवाई को लेकर जयस ने सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

जयस संगठन द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन जिले में चल रहे अवैध जुए, सट्टे के खिलाफ कार्रवाई करने को लेकर दिया गया। उक्त ज्ञापन एडिशनल एसपी प्रेम लाल कुर्वे को सौंपा गया। जिसमे बताया गया कि, झाबुआ शहर सहित पूरे जिले में जुआ, सट्टा अवेध तरीके चल रहा है और आदिवासियों सहित युवा वर्ग को बिगाड़ रहे साथ ही उनके परिवार को नष्ट कर रहे है। सट्टा माफिया पर कड़ी करवाई होना चाहिए। लेकिन अवैध धंदे में लिप्त सट्टा माफियाओ को पुलिस का सपोर्ट मिल रहा है जिस कारण पूरे जिले में खुलेआम जूआ, सट्टा चल रहा है।

जयस जिला अध्यक्ष विजय डामोर ने बताया कि, जिले की सीमा से लगे राजस्थान और गुजरात राज्य से सट्टा माफिया झाबुआ आकर बेखोफ होकर ये अवैध धंधा चला रहे हैं जो नगर सहित ग्रामीण क्षेत्र में भी बहुत तेजी से चल रहा है। मेघनगर में भी बड़े पैमाने पर सट्टे का करोबार चल रहा है और आदिवासियों को सट्टे की लत लगाते हैं। इन पर पुलिस प्रशासन करवाई करे। इसलिए पुलिस अधिक्षक के नाम ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई की मांग की गई है।

सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के अंतर्गत किया जागरूक

माही की गूंज, रायपुरिया।

बुधवार को सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के अंतर्गत पुलिस थाना रायपुरिया के समस्त अधिकारीगण, कर्मचारीगण द्वारा आम जनता को यातायात नियमों तथा हेलमेट पहनकर मोटर साइकिल चलाने, शराब पिकर वाहन नहीं चलाने के लिए जागरूक करने हेतु हेलमेट पहनकर वाहन रैली संपूर्ण कस्बा रायपुरिया में निकाली गई तथा हेलमेट पहनकर आने वाले व्यक्ति को पुष्प देकर आभार व्यक्त किया।

चिराग फाउंडेशन ने चौथे सामूहिक निकाह का किया आयोजन, 5 जोड़ों का रीति-रिवाज अनुसार संपन्न हुआ निकाह

निर्धन एवं जरूरतमंदों की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहता है चिराग फाउंडेशन -: सदर कुतुबुद्दीन शेख

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर के एक निजी गार्डन पर चिराग फाउंडेशन कमेटी ने चौथा सामूहिक निकाह समारोह का आयोजन किया। जिसमें झाबुआ, आलीराजपुर, धार एवं कुक्षी जिले के विभिन्न स्थानों से मुस्लिम समाज के 5 युवक-युवतियों का निकाह पूरे रीति-रिवाज और रस्मों के साथ संपन्न हुआ। विवाह की सारी रस्मे मौलाना मुफ्ती जिल्ले हसन, मौलाना सद्दाम रजा साहब, मौलना वली अहमद, मौलाना इकरार रजा, मौलाना नोमान रजा, हाजी अब्दुल गफूर साहब आदि ने करवाई।

इस दौरान अतिथि के रूप में भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शैलेष बिट्ठू सिंगार, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती कविता सिंगार, नपा उपाध्यक्ष लाखनसिंह सोलंकी, सामाजिक महासंघ जिलाध्यक्ष नीरजसिंह राठौर, पार्षदगणों में करीम शेख वार्ड नंबर-2, गोलू कुरैशी वार्ड नंबर-3, घनश्याम भाटी वार्ड नंबर-5 के साथ चिराग फाउंडेशन कमेटी के सदर कुतुबुद्दीन शेख, सचिव वसीम खान, मुस्लिम पचायंत झाबुआ के सदर अब्दुल मजीद शेख, सचिव मुजम्मिल लाला खान सहित समाज के वरिष्ठजन मंचासीन रहे। सामूहिक निकाह संपन्न होने के बाद पेश इमाम साहब एवं सभी मौलाना ने नवीन जोड़ो को मुबारकबाद दी। नवीन जोड़ों को फाउंडेशन की ओर से आवश्यक जरूरी दैनिक सामग्रीयां भी भेंट की गई।

चिराग फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी कामिल हुसैन ने बताया कि फाउंडेशन के गठन बाद यह चौथा निकाह समारोह है। कमेटी हमेशा जरूरतमंद एवं निर्धन लोगों की मद्द के लिए तत्पर रहती है। नेकी एवं पुण्य के कार्य के लिए फाउंडेशन का गठन किया गया है। पैलेस गार्डन पर निकाह समारोह 8 जनवरी, रविवार दोपहर ठीक 2 बजे से शुरू हुआ, जो शाम करीब 4.30 बजे तक चला। समाज के 10 युवक-युवतियों ने एक साथ निकाह कबूल किया। उक्त निकाह समारोह में आयोजक कमेटी को विशेष सहयोग कब्रिस्तान कमेटी, रजा ब्रदर्स कमेटी, हजरत दीदार शाह वली कमेटी, गुलेतयबा कमेटी, इमामबाड़ा कमेटी, जम-जम कमेटी एवं उर्स कमेटी आदि ने प्रदान किया। बाहर से आए सभी बारातियों के भोजन एवं आवास की व्यवस्था आयोजन कमेटी ने की। उक्त कार्यक्रम का संचालन कमेटी के कोषाध्यक्ष अफरोज मकरानी ने किया एवं आभार संस्था के सक्रिय सदस्य अफजल अंसारी ने माना। पूरे आयोजन को सफल बनाने में चिराग कमेटी के करीब 50 सदस्यों ने सरहानीय सहयोग प्रदान किया।

शादियों में फीजूल खर्चा रोकना मुख्य उद्देश्य

आयोजक कमेटी के सदर कुतुबुद्दीन शेख एवं सचिव वसीम खान ने बताया कि हमारा उद्देश्य शादियों में होने वाली फिजूल खर्ची को रोकना है। जिसके लिए यह विशेष पहल की गई है। निर्धन परिवार जो किसी कारणवश शादियों का वहन नहीं कर सकते है, ऐसे परिवारों की मदद करने हेतु नव-युवाओं का निकाह का पूरा खर्चा कमेटी द्वारा वहन करते हुए रिति-रस्मों के साथ सामूहिक निकाह करवाया जाता है। कार्यक्रम में झाबुआ शहर सहित धार, आलीराजपुर, सैलाना, कुक्षी, मेघनगर, भाबरा आजाद नगर, रानापुर आदि स्थानों से समाजजनों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। चिराग फाउंडेशन के पूर्व सदर रियाज खान ने शहर सहित बाहर से पधारे समाज के सभी लोगों के के प्रति आभार व्यक्त किया।

यह बंधे विवाह बंधन में

कामिल हुसैन ने बताया कि 5 जोड़ों में अमजद पिता महबूब खान निवासी कैलाश मार्ग हुड़ा का निकाह महक बी पिता मोहसीन धार, जुनेद पिता सब्बीर खान निवासी मौलाना आजाद मार्ग का निकाह फरजाना पिता शेरू खान निवासी कुक्षी, नौशाद पिता नूर अहमद निवासी आलीराजपुर का निकाह मुस्कान पिता इमरान खान निवासी मेघनगर, गोलू पिता मुन्ना खा रंगरेज निवासी नेहरू मार्ग सैलाना का निकाह नगमा रंगरेज पिता मोहम्मद हुसैन निवासी भाबरा एवं शाहनवाज पिता अब्दुल हमीद खान निवासी भाबरा का विवाह रूखसाना पिता रहीस अली मकरानी निवासी रानापुर से संपन्न हुआ।

ट्रेचिंग ग्राउंड में लगाई आग, ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

माही की गूंज, थांदला।

नवोदय विद्यालय के समीप नगर परिषद थांदला के कचरा डंपिंग यार्ड ट्रेचिंग ग्राउंड में जमा कचरे में आज सुबह आग लगा दी गई, जिससे पूरे इलाके में धुआं फैल गया। जिसके चलते हमेशा की तरह धुए से नवोदय विद्यालय के 386 विद्यार्थी और स्टाफ को दिक्कत होने लगी। वही ग्रामीणों को भी सांस लेने मे असुविधा होने लगी। जिसके बाद सरपंच जयसिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध दर्ज करवाना शुरू किया। बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्रित हों गये। जिसके बाद नगर परिषद पानी से भरे अग्निशमन वाहन भेजें, जिसे ग्रामीणों नै रोक दिया और कलेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अडे रहे। थांदला-बदनावर मार्ग पर चक्का जाम कर दिया। तहसीलदार शक्ति सिंह चौहान ने ग्रामीणों को समझाने की कोशिश भी की लेकिन ग्रामीण अपनी मांग पर अडे रहे और चक्का जाम जारी रहा। पूर्व में भी यह शिकायत हो चुकी थी, लेकिन निराकरण नहीं हुआ। विधार्थी और ग्रामीण अभी भी परेशान है। समाचार लिखे जाने तक चक्काजाम जारी था।

जयस ने आदिवासी समरसता यात्रा निकाली

माही की गूंज, काकनवानी।

आदिवासी एकता परिषद के द्वारा काकनवानी पलवाड क्षेत्र में जयस कार्यकर्ताओं ने आदिवासी सांस्कृतिक एकता सम्मेलन को लेकर आदिवासी समरसता यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का उद्देश्य विकास की आधुनिक अवधारणा में आदिवासी एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, पारंपरिक ज्ञान के संरक्षण एवं प्रसारण में आदिवासी महिलाओं की भूमिका, हातिम संस्कृति में बहुमत वाद का समाधान, आदिवासी के पारंपरिक ज्ञान में वैज्ञानिकता, आदिवासियों के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय अधिकार वास्तविक स्थिति और मानव अधिकारों का हनन व कानूनी अधिकार, आदिवासियों का स्वशासन ग्राम सभा, फलिया पाड़ा सभा, पेसा कानून एवं वन, वैश्विक समस्याओं का आदिवासी संस्कृति में समाधान, युवाओं को रोजगार एवं शिक्षा पर विचार विमर्श। आदिवासी एकता परिषद के उद्देश्य विचारधारा कार्यक्रम एवं रणनीति के साथ आगामी होने जा रहा सम्मेलन की कार्य योजनाएं बनाकर 13, 14, 15 जनवरी को तीसरा आदिवासी सांस्कृतिक एकता महासम्मेलन होने जा रहा है। जिसमें प्रांतीय महासचिव आदिवासी एकता परिषद मध्यप्रदेश रतलाम के डॉक्टर कमलसिंह डामोर एवं रमेश कटारा, मनोहर बारिया, अनुराग खड़िया व कई अपने कार्यकर्ताओं के साथ आदिवासी अंचल में रैली निकालते हुए 13,14 व 15 जनवरी हमीरपुरा रेणधा रोड, तहसील कवांट, जिला छोटा उदयपुर, गुजरात में महासम्मेलन के लिए लाउडस्पीकर द्वारा यात्रा के इस महासम्मेलन में शामिल होने हेतु आदिवासी समाज के समस्त लोगों को सादर आमंत्रित कर रहे हैं

सोनिका मेलिवार बनी सीए, दी जा रही बधाईयां

माही की गूंज, बामनिया। इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ (आईसीएआई) सीए फाइनल नवंबर 2022 परीक्षाओं के रिजल्ट 10 जनवरी को जारी किए गए। जिसमे बामनिया की होनहार छात्रा सोनिका प्रवीण मेलिवार सीए फाइनल में पास हुई है। सोनिका ने बताया कि, उन्होंने सीए फाइनल (ग्रुप 2) में 400 में से 213 अंक हासिल करे है। सोनिका ने सीए बनने का सपना देखा था जो अब फाइनल परीक्षा पास करने के साथ पुरा हुआ है। इस सपने को साकार करने के सफर में काफी पड़ाव देखे हैं। 2013 में पहली परीक्षा सीपीटी पास की, उसके बाद 2017 में इंटरमीडिएट (लेवल 2) क्लियर किया। जिसके बाद इंदौर में सीए फर्म में आर्टिकलशिप कंप्लीट की। आगे चलकर 2021 में फाइनल ग्रुप 1 की परीक्षा पास की 2023 नए वर्ष में उन्हें पूर्ण सफलता मिली। अपने माता-पिता का धन्यवाद ज्ञापित करते सोनिका ने कहा कि, ये उन्ही का आशीर्वाद है कि में इस मुकाम पर पहुँची। सोनिका को मिली सफलता पर समाजजनो एंव परिजनो के साथ स्नेहीजनो द्वारा बधाईया दी जा रही है।

आखिर क्यों शहडोल जिले से स्टे लाकर आपूर्ति अधिकारी आया मेघनगर...?

भ्रष्ट धर्मेंद्र सिंह पर कलेक्टर करेगी कार्रवाई या देगी अपना आशीर्वाद

माही की गूंज, झाबुआ/मेघनगर।

यह तो सत्य है कि, अगर कोई अधिकारी भ्रष्ट न होकर अपना कार्य पूरी कर्तव्यनिष्ठा के साथ करता है, तो उसे किसी भी स्थान पर भेज दिया जाए, तो वह अधिकारी अपना कार्य ईमानदारी के साथ किसी भी कार्य स्थान पर कर सकता है। लेकिन जो अधिकारी गले-गले तक भ्रष्टाचार की डुबकी में डूबा रहता है। वह अधिकारी जिस स्थान पर अपनी भ्रष्टाचार रूपी पैठ अंगद के पैर की तरह जमा लेता है, तो ऐसे भ्रष्ट अधिकारी को अगर अन्य स्थान पर ट्रांसफर किया जाता है, तो वह अपनी जुगत व कानूनी प्रक्रिया का फायदा उठाकर किसी भी तरह पुनः उस स्थान पर आ जाता है, जहां भ्रष्टाचार रूपी पैठ जीम-जमाई होती है। ऐसा ही कुछ भ्रष्टाचार की डुबकी में गले-गले तक डूबे रहने का सबूत खाद्य एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने दिया है।

जानकारी अनुसार मेघनगर में कई समय से अंगद की तरह पैर जमाकर भ्रष्टाचार की डुबकी लगाने वाला कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेंद्र सिंह का ट्रांसफर मेघनगर से पेटलावद किया गया था। जिसके बाद पेटलावद से शहडोल जिले के उमरिया में ट्रांसफर हुआ था। लेकिन साहब को जमी-जमाई सेटिंग के साथ मेघनगर इतना रास आया की वह स्टे लाकर मेघनगर में अपने कार्य की इतिश्री खाद्य आपूर्ति व्यवस्था में घालमेल करवाकर जमकर चांदी काट रहा है। वही जब कहीं ऐसा मेघनगर में खुलासा होने की स्थिति होती है तो धर्मेंद्रसिंह अपनी बदनीयती के साथ अपनी कारस्तानी दिखाने में कोई चूक नहीं करते। नतीजन बैड़ावाली की शा. उ. मूल्य खाद्यान्न वितरण दुकान पर अनियमितताएं सामने आने पर अपनी भ्रष्टरूपी कारस्तानियों को छुपाने के लिए शा. उ. मूल्य की दुकान पर 6 जनवरी अनियमितताओं को सुचारू रूप से सभी को समय पर खाद्यान्न वितरण हो रहा है की खानापूर्ति करने के लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेंद्र सिंह ने अपनी कारस्तानी दिखाते हुए सेल्समेन के नाम का उपयोग कर जो बात सेल्समैन ने नहीं कहीं वह बात पत्रकार के विरुद्ध उल्लेख कर जिला प्रशासन को भी गुमराह कर 27 दिसंबर को किए गए। निरीक्षण में 28 दिसंबर को दशरथ कट्ठा के द्वारा न्यूज़ वीडियो का हवाला देकर झूठी जांच रिपोर्ट 29 दिसंबर को पेश की गई। वहीं जिला जनसंपर्क अधिकारी को मोहरा बनाकर असत्य कथनों के साथ प्रेसनोट जारी कर पत्रकार दशरथ कट्ठा की प्रतिष्ठा ही नहीं बल्कि खाद्यान्न वितरण व्यवस्था में हो रहे अनियमितता के समाचार आगे से कोई प्रकाशित ना करें कि, नियत के साथ सरपंच पति व सेल्समैन के नाम का उपयोग कर झूठी जांच रिपोर्ट पेश करने का खुलासा हो चुका है।

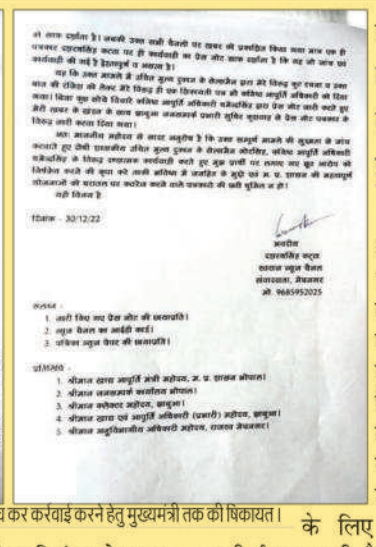

पत्रकार ने कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के विरुद्ध जांच कर कर्रवाई करने हेतु मुख्यमंत्री तक की शिकायत।

क्या कलेक्टर करवायेगी जांच...?

भ्रष्ट कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेंद्र सिंह की कारस्तानी को कलेक्टर चाहे तो खुलासा कर सकती है। लेकिन कलेक्टर, कारस्तानियों को उजागर नहीं करने के लिए उस पर अपना आशीर्वाद बरसाती है तो यह भ्रष्ट कई अनियमितताओं के साथ शासन-प्रशासन को कलंकित करने में चूक नहीं करेगा। कलेक्टर को चाहिए कि, बेडावली के साथ तमाम मेघनगर क्षेत्र की शासकीय खाद्यान्न वितरण दुकान पर आवंटित खाद्यान्न जिसे सेल्समैन एवं कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी ने पात्र उपभोक्ताओं को देना बताया। प्रत्येक उपभोक्ता से सूचीबद्ध एक टीम गठित कर उपभोक्ताओं को खाद्यान्न मिला की नहीं की जांच करें और आवंटित खाद्यान्न एवं स्टॉक का भौतिक सत्यापन ईमानदारी से जांच करवाएं तो खुलासा हो सकता है कि, बेडावली की तर्ज पर किस तरह से जहां अनियमितताएं होने के बावजूद भी धर्मेंद्रसिंह ने सब कुछ सही-सही बता दिया है का बड़ी अनियमितताओं के साथ खुलासा हो सकता है।

पत्रकार ने की मुख्यमंत्री तक शिकायत

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी धर्मेंद्रसिंह की कारस्तानी को लेकर मेघनगर एसडीएम से लेकर जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, कलेक्टर झाबुआ, जनसंपर्क कार्यालय भोपाल, मंत्री खाद्य आपूर्ति एवं मुख्यमंत्री तक लिखित में पत्रकार दषरथ कट्ठा ने शिकायत कर बताया कि, धर्मेंद्रसिंह ने अपना बचाव करते हुए बैड़ावली निरीक्षण कर झूठी जांच रिपोर्ट पेश कर सभी को गुमराह करने का प्रयास किया है जिसकी जांच कर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही है।

अब देखना है कि, उक्त शिकायत के बाद कलेक्टर धर्मेंद्रसिंह को आशीर्वाद प्रदान करती है या फिर निष्पक्ष जांच करवाकर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करते हैं।

खबर और शिकायत के बाद एकलव्य स्कूल प्राचार्य के विरुद्ध जांच शुरू

अभी दबी शिकायतें तो फिर किसी बड़े आयोजन में प्रशासन का मुंह होगा काला

माही की गूंज, पेटलावद।

एकलव्य शिक्षा परिसर पेटलावद के प्राचार्य द्वारा अतिथि महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर को प्रताड़ित होकर नोकरी छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा और संस्था प्राचार्य द्वारा जब तक संस्था के प्राचार्य है इस संस्था में नोकरी के लिए आवेदन नही करने का लिखकर देने का दबाव डालने का ऑडियो सामने आया था। मामला गूंज द्वारा प्रमुखता से प्रकाशित किया था। वही पीड़ित महिला अतिथि कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा मामले की लिखित शिकायत एसडीएम और जिला कलेक्टर के समक्ष की थी। साथ ही सीएम हेल्पलाइन पर भी इसकी शिकायत की गई है। मामला उजागर होने के बाद एसडीएम ने मामले की जांच शुरू की है। खण्ड शिक्षा अधिकारी आरके यादव ने बताया कि, जांच के लिए संस्था में जाकर सभी पक्षो और स्टाफ के बयान दर्ज किए गए हैं जिसके आधार पर जांच रिपोर्ट तैयार की जाएगी। खंण्ड शिक्षा अधिकारी ने खुलकर नही बताया कि, जांच में क्या पाया गया। वही एसडीएम की और से भी कोई जानकारी इस मामले में कार्यवाही को लेकर नही दी गई है।

अतिथि शिक्षकों की भर्ती को लेकर लगातार घेरे में संस्था

एकलव्य संस्था बड़ी संस्था है और इसमें केंद्र सरकार का भी दखल होता है। यहां अतिथि शिक्षकों को मिलने वाला वेतन मानदेय राज्य सरकार द्वारा देय वेतन से तीन से चार गुना अधिक होता है। इसलिए इस संस्था में अतिथि शिक्षकों की भर्ती को लेकर हेरा-फेरी होती हैं, जिसकी लगातार शिकायते होती रही है। कभी-कभी दूसरे शिक्षकों को एडजेस्ट करने के कारण भी दूसरे अतिथि शिक्षकों पर अतिरिक्त दबाव डाला जाता है। मिली जानकारी के अनुसार इस सत्र में दो अतिथि शिक्षक नोकरी छोड़ चुके है, जिसके पीछे के कारण ज्ञात करने के प्रयास किये जा रहे है।

दबी शिकायतें तो प्रशासन का मुंह होगा काला

बमुश्किल होंने वाली इस संस्था की शिकायतो पर पर्दा डाला जाता है, जिस कारण प्रशासन को बड़े

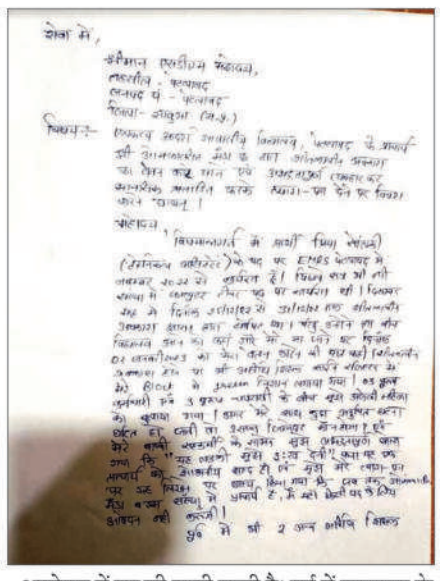

आयोजन में मुह की खानी पड़ती है। पूर्व में राज्यपाल के सामने ऐसा मामला आ चुका है। वही हर बार की अनदेखी प्रशासन का मुह राष्ट्रीय स्तर पर काला हो चुका है। ऐसा न हो कि छोटी-छोटी शिकायत किसी बड़े आयोजन में बड़े विवाद के रूप में सामने आ जाये है।

उचित मूल्य दुकानों की जांचः अनियमिता पाई जाने पर 5 दुकानों पर 11 हजार का लगाया दंड

माही की गूंज, पेटलावद।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रियंका अग्रवाल द्वारा कलेक्टर श्रीमती रजनीसिंह के निर्देश पर उचित मूल्य की 11 दुकानो की विस्तृत जाँच की जाकर 5 दुकानों में अनियमितता पाये जाने पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के न्यायालय में प्रकरण दर्ज किये गये। जिसमें उ.मू. दुकान धतुरिया, धोलीखाली, रामगढ, मोहनपुरा एवं टेमरिया दुकानो के विक्रेता के विरुद्ध क्रमशः रू. 1-1 हजार, 2-2 हजार एवं 5 हजार कुल 11 हजार आर्थिक दण्ड के रूप में वसूल कर शासन मद में जमा कराए गये।

कुंभाखेड़ी एवं बेगनबर्डी दुकान के प्रकरण विचाराधीन

कुंभाखेड़ी एवं बेगनबर्डी दुकान के प्रकरण अनुविभागीय (राजस्व) न्यायालय में विचाराधीन है । शासकीय उचित मूल्य दुकान हडमंत्या अन्तर्गत आश्रित ग्राम में कुछ हितग्राहियो को खाद्यान्न न मिलने की शिकायत प्राप्त हुई थी, आश्रित ग्राम के हितग्राहियों को उनकी पात्रता अनुसार खाद्यान्न वितरण कराया गया । कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी प्रियंका अग्रवाल ने बताया कि दुकानों की नियमित जांच की जा रही है। इसी क्रम में बड़ी देहण्डी, हमीरगढ़, भीलकोटडा, पांचपिपला, देवली में दुकानों की जांच की गई। यहा पर कोई शिकायत नही मिली।

सभी जगहों पर दुकानों के विक्रेताओं को हिदायत दी गई है कि वे शासन के निर्देशानुसार ही संचालन करे। और साफ सफाई भी सुनिश्चित करे। ताकि हितग्रहियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

निर्मल व्यास तहसील पत्रकार संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मनोनीत

माही की गूंज ,पेटलावद।

पत्रकार संघ का नववर्ष मिलन समारोह रूपगढ़ मार्ग पर हनुमानजी मंदिर प्रांगण पर आयोजित किया गया। जिसमें तहसील क्षेत्र के पत्रकार शामिल हुए। इस अवसर पर पत्रकारों के सगठनात्मक कई विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी, संरक्षक संजय भटेवरा, संरक्षक हरिशंकर पंवार, तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनोज जानी सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित थे।

इस अवसर पर तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनोज जानी द्वारा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व अध्यक्ष तथा संरक्षक की सहमति से पेटलावद तहसील पत्रकार संघ के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में निर्मल व्यास को मनोनीत किया। इस मौके पर पेटलावद नगर की कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। नवनिर्वाचित सदस्यों को हारफूल पहनाकर स्वागत किया गया। संचालन रजनीकांत शुक्ला ने किया। आभार पत्रकार संघ के नगर अध्यक्ष जितेश विश्कर्मा ने माना।

हेलमेट पहनकर चलाए वाहन का दिया संदेश

माही की गूंज, थांदला।

दुर्घटना यह बताती है कि, हमारे लिए हेलमेट कितना आवश्यक है। ट्रैफिक पुलिस लोगों को हेलमेट पहनने के लिए रोक-रोक कर कह रही है। अक?सर ऐसे सड़क हादसे सुनने में आते हैं। जिनमें दोपहिया वाहन चालक की मौत सिर पर चोट लगने की वजह से हो गई। यही वजह है कि, ट्रैफिक पुलिस लोगों को हेलमेट पहनने के लिए रोक-रोक कर कह रही है और बिना हेलमेट गाड़ी चलाने वाले पर चालान काट रही है। कई लोग चालान के डर से हेलमेट खरीद भी रहे हैं, लेकिन वे सड़क किनारे मिलने वाले काम चलाऔ हेलमेट खरीद रहे हैं। जिन्हें पहनने का कोई फायदा नहीं है। हेलमेट खरीदें समय आपको ध्यान रखना चाहिए कि, आप दरअसल नार्मल वाइजर से आप किसी भी समय आसानी से बाइक चला सकते हैं। एसडीओपी रविंद्र राठी व थाना प्रभारी कैलाश चौहान द्वारा यातायात नियमों का पालन करने को लेकर वाहन रैली निकाली गई।

लाडली लक्ष्मी योजना के प्रमाण पत्र किए वितरण

माही की गूंज, सारंगी।

स्थानीय मंडी प्रांगण में भाजपा युवा महिला मोर्चा के द्वारा कार्यक्रम आयोजन कर लाडली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत लाडली लक्ष्मी को प्रमाण पत्र दिए गए। इस अवसर पर पूर्व राज्य मंत्री निर्मला भूरिया ने संबोधित करते हुए मध्यप्रदेश सरकार की योजना के बारे में बताया। बेटियों के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही है जिसका लाभ सभी को लेना चाहिए।

सम्मेलन में सुनीता अजनार , अजमेर सिंह भूरिया, जनपद अध्यक्ष रमेश सिंह सोलंकी, सारंगी मंडल अध्यक्ष सुखराम मोरी ने भी संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। कार्यक्रम में सारंगी मंडल के सभी पदाधिकारी, पंच, सरपंच, ग्रामीण क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास के सभी सुपरवाइजर, क्षेत्र की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता , आशा कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जितेंद गेहलोत ने किया, आभार परमानंद पाटीदार ने माना।

मांगों को पूरा नहीं करने के विरोध में करणी सेना ने जिले में जगह-जगह किया सीएम के पुतले का दहन

पुलिस की कड़ी सुरक्षा एवं छीनाझपटी के बीच झाबुआ के राजवाड़ा पर भी जला पुतला

माही की गूंज, झाबुआ।

करणी सेना परिवार द्वारा 8 जनवरी से मप्र एवं देश में आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने एवं एट्रोसिटी एक्ट में संशोधन की मांग को लेकर किए जा रहे जंगी आंदोलन के बावजूद मप्र सरकार का ध्यान नहीं जाने एवं बेरूखी पूर्ण रवैया अपनाने के विरोध में करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष ठा. जीवनसिंह शैरपुर के निर्देश पर प्रदेश में जगह-जगह सीएम शिवराजसिंह चैहान के पुतला दहन के क्रम में दो-तीन दिनों के भीतर करणी सेना परिवार जिला झाबुआ ने भी जगह-जगह पुतला दहन किया है।

करणी सेना परिवार से जुड़े लोकेन्द्रसिंह सलुनिया ने बताया कि विगत दिनों जिले के कुंदनपुर में करणी सेना ने पुलिस की चौकसी एवं कड़े विरोध के बीच सीएम का पुतला दहन किया था। इसके बाद विगत 9 जनवरी की देर शम को शहर के राजवाड़ा पर भी करीब 7.30 बजे जमकर नारेबाजी के बीच करणी सेना परिवार से जुड़े युवा सदस्यों में अभिजीतसिंह बेस, गजेंद्रसिंह, जितेंद्रसिंह सलुनिया, धर्मेंद्रसिंह सलुनिया, दिव्यराजसिंह अंतरवेलिया, विनायक अहेरिया, दर्शनसिंह राठौर, अभय, लक्ष्य, अजीतसिंह बेंस आदि ने सीएम का पुतला जलाया। करणी सेना के पुतला दहन को लेकर इस दिन शाम से ही शहर के प्रमुख स्थानों एवं चौराहों पर पुलिस की तैनाती हो गई थी।

कड़ी सुरक्षा के बीच पुतला दहन हुआ

जिसमें बस स्टैंड, राजवाड़ा, विजय स्तंभ तिराहा, मेघनगर नाका, राजगढ़ नाका आदि स्थानों पर पुलिस छावनी की गई, लेकिन इसी बीच राजवाड़ा पर करणी सेना परिवार की ओर से पुतला जलाया गया। नारेबाजी के साथ करणी सेना के उक्त युवाजन लक्ष्मीबाई मार्ग से पुतला लेकर आए और ताबड़तोब राजवाड़ा पर पुतला दहन किया। इस बीच थाना प्रभारी सुरेन्द्रसिंह गाडरिया के नेतृत्व में मौजूद पुलिस टीम ने पुतले पर बाल्टी से पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन इससे पूर्व ही पुतला पूरी तरह जल चुका था। बाद पुलिसकर्मी उसे अपने कब्जे में लेकर यातायात थाने के अंदर ले गए।

भोपाल में मांगों को लेकर जारी है आंदोलन

करणी सेना जिला परिवार के वरिष्ठ ठा. महेन्द्रसिंह झकनावदा ने बताया कि विगत 8 जनवरी से करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष ठा. जीवनसिंह शैरपुर के नेतृत्व एवं अगुवाई में भोपाल में उक्त दोनो मांगों को लेकर कड़ा विरोध प्रदर्शन एवं आंदोलन जारी है। जब तक सरकार द्वारा उक्त दोनो मांगों को लेकर लिखित रूप से कोई ठोस आष्वासन या कदम नहीं उठाए जाते है, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। प्रतिदिन आंदोलन में सर्व समाज के बड़ी संख्या में सहभागिता कर रहे है। इसी क्रम में करणी सेना की ओर से जिले के पेटलावद, करवड़, भामल, खवासा आदि जगहों पर भी पुतला दहन किया गया है। वरिष्ठ ठा. महेन्द्रसिंह झकनावदा ने आगे बताया कि करणी सेना का कहना है कि आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने एवं एट्रोसिटी एक्ट में संशोधन की मांग ना केवल एक संगठन की अपितु सर्व समाज एवं सभी लोगों की सामूहिक मांग है, जिस पर प्रदेश सरकार को तत्काल ही विचार कर उचित पहल करना आवश्यक है।

सकल व्यापारी संघ व्यापारी की दुकान पर चोरी की घटना में एफआईआर के विरोध में आज निकालेगा रैली, पुलिस अधीक्षक को सौंपा जाएगा ज्ञापन

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछले दिनों शहर के थांदला गेट पर एक गारमेंट्स व्यवसायी के यहां हुई चोरी की घटना में व्यापारी पर ही एफआईआर दर्ज किए जाने के विरोध मे सकल व्यापारी संघ झाबुआ द्वारा आज 12 जनवरी, गुरूवार दोपहर 11 बजे से रैली निकाली जाएगी। शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर एसपी अगम जैन को ज्ञापन दिया जाएगा।

सकल व्यापारी संघ अध्यक्ष संजयकुमार कांठी एवं सचिव हिमांशु त्रिवेदी ने बताया कि शहर में पिछले कुछ समय से लगातार व्यापारियों के विरूद्ध जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन पर दबाव बनाकर अन्यायपूर्ण कार्रवाईयां की जा रही है। व्यापारियों को बेवजह झूठे मामलों एवं अपराधों में फंसाने के प्रयास किए जा रहे है। जिससे शहर के व्यापारियों में तीव्र आक्रोष है। सकल व्यापारी संघ शहर के व्यापारियों और दुकानदारों की न्यायौचित तथा जायज समस्याओं एवं मांगों के समर्थन में उनके साथ है।

व्यापारी संघ अध्यक्ष कांठी एवं सचिव त्रिवेदी ने आगे बताया कि बेवजह व्यापारियों या दुकानदारों पर दबाव बनाकर झूठी कार्रवाई बर्दास्त नहीं की जाएगी। जिसके चलते ही उक्त घटना के विरोध में सकल व्यापारी संघ 12 जनवरी को रैली एवं ज्ञापन के माध्यम से शहर के व्यापारियों की समस्याओं और मांगों को जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन तक पहुंचाने की पहल करेगा। सकल व्यापारी संघ द्वारा शहर के समस्त व्यापारी एवं दुकानदारों से उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहने हेतु अपील की है।

ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 1008 काशी गिरी जी महाराज की 20वीं पुण्यतिथि विभिन्न आयोजन

माही की गूंज ,झकनावदा।

जिले के सुप्रसिद्ध श्रृंगेश्वर महादेव धाम के जिर्णोद्वारक एवं इस धाम की जिले ही नहीं संपूर्ण भारत में एक अलग पहचान स्थापित करने वाले ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 1008 काशी गिरी जी महाराज की 20वीं पुण्यतिथि हर्षों उल्लास के साथ आज मनाई जाएगी।

ब्रह्मलीन महंत श्री श्री 1008 काशी गिरी जी महाराज की 20वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष में 11 जनवरी बुधवार को रात्रि में माही नदी एवं मधु कन्या नदी के समागम स्थल पर बसे श्रृंगेश्वर महादेव धाम पर विशाल भजन संध्या का रात्रि में 8 बजे मंदिर प्रांगण में आयोजन किया गया और आज प्रातः 8 बजे श्री गणेश पूजन स्थापना एवं रूद्र अभिषेक का आयोजन होगा। दोपहर सवा 12 बजे पूर्णाहुति के पश्चात गुरुदेव की समाधि पर स्थापित प्रतिमा की महाआरती उतारी जाएगी। जिसके बाद दोपहर 1 बजे महा प्रसादी भंडारे का आयोजन होगा। इस अवसर पर गादीपति श्री महंत रामेश्वर गिरी जी महाराज एवं श्रृंगेश्वर धाम गुरु भक्त मंडल ने समस्त गुरु भक्तों को उक्त आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में पधारने की अपील की।

गगन गैस में दिया गया लोन कृषि ऋण माफी में किया माफ, जांच हो तो मेंनेजर चैनसिंह को हो सकती है जेल

माही की गूंज, खवासा/ भामल।

आदिम जाति सहकारी संस्था भामल में लंबे समय से पदस्थ चैनसिंह राठौड़ जो कि, अब रिटायरमेंट के अंतिम चरण पर है। परंतु चैनसिंह ने कोई भी सहकारी संस्था में दिए गए लोन व खाद्यन्न तथा खाद वितरण में अनियमितता वं मनमानी नहीं की हो ऐसा एक भी मामला नहीं हो सकता की बात चेनसिंह अपने कार्यालय में अपनी भ्रष्ट रुपी कार्यप्रणाली के साथ उजागर कर रहा है। एक और मामला सामने आ रहा है जिसमें भामल आदिम जाति सहकारी संस्था में करीब दो दशक पूर्व गगन गैस की दो भरी हुई टंकी व चूल्हा देकर संस्था की ओर से 4-4 हज़ार रुपये का लोन दिया गया था। साथ ही टंकी व गैस कनेक्शन देने के बाद कनेक्शन डायरी देने की बात कही थी, ताकि उक्त डायरी के माध्यम से गगन गैस की उक्त घरेलू गैस टंकी सरकार के द्वारा दी जाने वाली सब्सिडी के साथ गैस टंकी भरवा सकेंगे। लेकिन संस्था ने उक्त दो टंकी खाली हो जाने से लेकर गगन कंपनी धरातल पर बंद हो जाने तक भी गैस कनेक्शन डायरी उपभोक्ताओं को नहीं दी गई थी। वहीं उपभोक्ताओं ने भी संस्था से लिए गए गैस टंकी कनेक्शन के रूप में लोन की राशि जमा नहीं करवाई। नतीजन कुछ उपभोक्ता व उसके पुत्र संस्था के मैनेजर चैनसिंह को कहते रहे कि, जब तुमने कनेक्शन तक की डायरी नहीं दी और गगन गैस कंपनी ही बंद हो गई तो पैसा किस बात का ।

वही चैनसिंह ने उक्त विरोध को देखते हुए लक्ष्मणसिंह अनारसिंह सोलंकी, शंभूलाल तुलसीराम चौहान, हुक्मीचंद राधाकिशन लोहार, शैतानमल तुलसीराम चौहान सभी निवासी भामल को उक्त लोन को कमलनाथ सरकार की किसान लोन माफी योजना में केसीसी लोन का बकाया बताकर उक्त गगन गैस लोन को माफ करवा दिया गया।

वहीं नानानाल रामसिंह नकूम निवासी भामल जो कि, संस्था के चुनाव के समय अपनी उम्मीदवारी पेश करने के चलते लोन राशि जमा करवाई गई थी। लेकिन रामचंद्र खीमा चंद्रावत परवाड़ा, तेरसिंह रादू कटारा रत्नी के नाम से आज भी उक्त लोन राशि ब्याज के साथ बकाया बताई जा रही है।

शिक्षक तेरसिंह जिनकी दुर्घटना में मृत्यु हो गई लेकिन उक्त बकाया राशि की रिकरवी उसके पुत्र अवनिश कटारा से भी नोटिस भेजकर की जा रही है जिसके कारण उक्त मामला सामने आया। अवनिश कटारा का कहना है कि, चेनसिंह ने गैस लोन को अन्य चार व्यक्ति के लोन को केसीसी में दर्शाकर ऋण माफी करवा दी और हमको रुपए बकाया का नोटिस भेजा जा रहा है जो कहा तक न्याय संगत है।

अवनिश का कहना है, अगर ऋण माफी में उनकी राशि जमा हुई तो हमारी भी जमा होनी थी और अगर गैस कनेक्शन लोन का पैसा केसीसी लोन दर्शा कर माफ करना अनुचित है, तो चैनसिंह के विरुद्ध मामले की जांच होकर 420 का मामला दर्ज होना चाहिए।

वही शंभू चौहान जिनकी राशि केसीसी में दर्शाकर चैनसिंह ने ऋण माफी में माफ करवा दी। शंभू ने बताया कि, 4-4 हज़ार रुपये गैस कनेक्शन के नाम पर संस्था ने लोन दिया था, लेकिन कनेक्शन की डायरी गगन गैस कंपनी बंद हो जाने तक भी नहीं दी गई थी। यह सही है कि, हमारा गैस कनेक्शन लोन केसीसी के बकाया में ऋण माफी के दौरान माफ हो गए हैं, जिसका प्रमाण-पत्र भी हमें प्राप्त हुआ है।

संपादकीय

अब हरियाणा के दर्शन दूर से

जहां एक ओर मनभावन विविधताओं से परिपूर्ण भारत, गणतंत्र दिवस की आहट होते ही अपने प्रांतों की गौरवशाली सांस्कृतिक झलकियां प्रदर्शित करने की तैयारी कर रहा है, वहीं दूसरी ओर हरियाणा प्रांत निराश है। निराशा की वजह है कि आगामी 15 जनवरी से हरियाणवी भाषा, कला और संस्कृति को समृद्ध करने वाले इसके प्रकाश स्तंभ का अस्ताचलगामी हो जाना है। जी हां, प्रदेश का हिसार स्थित एकमात्र दूरदर्शन केंद्र गणतंत्र दिवस से महज दस दिन पूर्व इतिहास की बात बनकर रह जायेगा।

इसे हरियाणवी संस्कृति की विडंबना ही कहा जायेगा कि जहां एक ओर पंजाबी, राजस्थानी, भोजपुरी और दक्षिण भारतीय भाषाओं और संबंधित प्रदेशों की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिये लगभग हर प्रदेश में एक या एक से अधिक डी.डी. केंद्र खोले जाते रहे हैं, वहीं हरियाणा प्रदेश के हिसार स्थित इकलौते दूरदर्शन केंद्र के दरवाजे चार दिन बाद हमेशा-हमेशा के लिये बंद हो जाएंगे।

दरअसल, इस फैसले की वजह यह बतायी जा रही है कि प्रसार भारती की माली हालत खस्ता है। उसका नया मंत्र है, खुद कमाओ और चलाओ। वहीं केंद्र सरकार दस-बीस करोड़ की मदद देने की स्थिति में नहीं है। कहा जा रहा है कि केंद्र सरकार ने प्रादेशिक दूरदर्शन केंद्रों को उनके हाल पर छोड़ देने की नीति बना ली है। वैसे भी दिल्ली दूरदर्शन जैसे वटवृक्ष के निकटवर्ती छोटे केंद्र पनप भी कहां पाते हैं।

दलीलें दी जा रही हैं कि हिसार दूरदर्शन केंद्र खुद के लिये विज्ञापन जुटाने में विफल रहा है। यानी अब ये कमाऊ पूत नहीं रहा, फलतः इस केंद्र को चंडीगढ़ के रीजनल सेंटर में स्थानांतरित किया जा रहा है। अब यह जग जाहिर है कि चंडीगढ़ की कोई विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान नहीं है। यहां सभी प्रांतों की मिली-जुली संस्कृति है। हरियाणवी संस्कृति व भाषा को यहां कितना न्याय मिल पायेगा, कहना कठिन है।

सवाल यह है कि जब डीडी पंजाबी जालंधर में सक्रिय है, शिमला में है और राजस्थान में जयपुर, बिहार में पटना व उत्तर प्रदेश में लखनऊ के दूरदर्शन के केंद्र बदस्तूर काम कर रहे हैं तो गाज हिसार के केंद्र पर ही क्यों गिर रही है? दरअसल, स्थायी कर्मचारी तो चंडीगढ़ या अन्यत्र स्थानांतरित हो जाएंगे। कुछ चले भी गये हैं। लेकिन अस्थायी कर्मचारियों के भविष्य पर ग्रहण लगता नजर आ रहा है। हिसार दूरदर्शन केंद्र के बाहर कर्मचारी इस फैसले के विरोध में आंदोलन कर रहे हैं।

एक विचित्र संयोग है कि जिस भाजपा सरकार के समय इस केंद्र का उद्घाटन हुआ था आज उसी भाजपा की केंद्र सरकार में सूचना प्रसारण के युवा मंत्री अनुराग ठाकुर ने केंद्र को बंद करने की कार्यवाही को अंजाम दिया। एक माह पूर्व जब अनुराग ठाकुर हिसार केंद्र आये थे तो उम्मीद जगी थी कि हरियाणवी जनमानस की आकांक्षाओं के दृष्टिगत कोई उम्मीदों भरा फैसला लेंगे। लेकिन उन्होंने तो केंद्र को स्थांनातरित करने के फैसले को रवानगी दे दी है।

उल्लेखनीय है कि, हिसार दूरदर्शन केंद्र का उद्घाटन तत्कालीन केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री स्वर्गीय सुषमा स्वराज ने 26 सितंबर, 2001 को किया था। उद्घाटन के अवसर पर लगाई गई पट्टिका में इस बात का उल्लेख है कि पूर्व उप प्रधानमंत्री स्व. ताऊ देवीलाल की याद में यह शिलान्यास किया गया था। तत्कालीन मुख्यमंत्री चौधरी ओम प्रकाश चौटाला ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की थी। बीते दिनों में हिसार दूरदर्शन से पंद्रह मिनट का प्रादेशिक समाचार, आधे घंटे का किसानों का कार्यक्रम सप्ताह में पांच दिन, आधे घंटे का कैरियर काउंसिलिंग कार्यक्रम सप्ताह में एक दिन, तीसरी से पांचवीं तक के बच्चों के लिये नन्ही दुनिया कार्यक्रम माह में दो या तीन बार प्रसारित किया जाता रहा है। इसके अलावा हरियाणा संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम व रागनियों की रिकॉर्डिंग प्रसारित होती रही है।

कभी हिसार के दूरदर्शन की स्थापना कृषि प्रधान हरियाणा के सरोकारों को सींचने के रूप में देखी गई थी। यहां कृषि विश्वविद्यालय और दूरदर्शन केंद्र का होना किसानों के लिये वरदान माना जा रहा था। विश्वास था कि कृषि के नवीनतम अनुसंधान लैब से निकलकर खेतों तक आसानी से पहुंच पाएंगे। किसानों को इससे नवीनतम फसलों, पशुओं की संभाल तथा बचाव की जानकारी मिलती थी। सवाल यह भी है कि जब चार साल पहले यह कार्यक्रम बंद हुआ तो लोगों की तरफ से विरोध के सुर क्यों नहीं उभरे? इसमें दो राय नहीं कि केंद्र से हरियाणवी संस्कृति को बढ़ावा मिला। इसके मंच से कई हरियाणवी कलाकारों का उदय हुआ। कुरुक्षेत्र के अतीत पर प्रामाणिक फिल्म इस केंद्र पर बनी। कई राष्ट्रीय स्तर के साहित्यकारों, स्वतंत्रता सेनानियों व राजनेताओं पर यादगार फिल्मों का निर्माण किया गया। लेकिन अब यह सब इतिहास के पन्नों में दर्ज होकर रह जायेगा। सवाल यह भी है कि हिसार दूरदर्शन की छांव में पनपे ऐसे तमाम कलाकार दूरदर्शन केंद्र के बाहर धरना दे रहे कर्मचारियों के समर्थन में क्यों नहीं आये?

हिसार दूरदर्शन केंद्र का विस्तृत परिसर है जो करीब आठ एकड़ जमीन पर बना है। पांच एकड़ में रिहायशी कॉलोनी स्थित है, जिसमें करोड़ों के उपकरण लगे हैं। इस केंद्र में सेटेलाइट अर्थ स्टेशन भी स्थित है, जिसकी लागत ही करीब आठ करोड़ है। साथ ही तीन करोड़ की लागत से बना स्टूडियो, तकरीबन एक करोड़ की लागत से बना प्रोडक्शन कंट्रोल रूम, सर्वर, महंगे विजुअल टेलीविजन रिकॉर्डर, उच्च क्षमता के कैमरे आदि केंद्र की संपत्ति में शामिल हैं।

जाहिर है अब ये बहुमूल्य संसाधन जंक खाते रहेंगे। आवासीय बस्ती निर्जन हो जायेगी। संभव है फिर राजनेताओं में इस कीमती जमीन की बंदरबांट शुरू हो जाये। निस्संदेह केंद्र के बंद होने से कर्मचारियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। खासकर तीस के करीब अस्थाई कर्मचारियों की नौकरी पर तलवार लटक गई है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली स्थित मंडी हाउस स्थित दूरदर्शन महानिदेशालय कार्यालय ने गत 29 दिसंबर, 2022 को एक आदेश जारी करके हिसार दूरदर्शन केंद्र को चंडीगढ़ स्थानांतरित करने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा। अब सभी कार्यक्रम और समाचार संबंधित प्रोजेक्शन और प्रसारण का कार्य चंडीगढ़ से होगा। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि हरियाणवी संस्कृति व भाषा को संबल देने वाले हिसार दूरदर्शन केंद्र को लेकर राज्य का राजनीतिक नेतृत्व क्यों खामोश है। इनेलो व पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा व आप की तरफ से आवाज उठायी गई, लेकिन वह इतनी दमदार नहीं रही कि असरदार साबित हो।

हरियाणा में समृद्ध संस्कृति, लोककलाओं को संभालने व संवारने की समृद्ध परंपरा रही है। आज कुरुक्षेत्र की धरती हरियाणा में करोड़ों की दौलत अपने एजेंडे के ब्रह्मसरोवरों में बहायी जा रही है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में तो प्रदेश की संस्कृति बचाने की क्रांति दिखायी दे रही है। तो इसका निष्कर्ष यह समझा जाए कि हर वर्ग, हर तबके और गुटों के अपने-अपने सीमित सरोकार होते हैं? आख़रि क्यों नहीं अब कोई के.सी. शर्मा जाग्रत हो रहा? क्यों सर छोटूराम जैसे क्रांतिकारी हरियाणवी सरोकारों के सारथी अब पैदा नहीं होते? हैरत तो इस बात की है कि जिन चबूतरों और चौपालों पर मामूली-सी चिंगारी पर गुड़गुड़ाते हुक्के प्रतिरोध के धुएं उगलने शुरू कर देते हैं, वहां हरियाणवी संस्कृति व भाषा को बचाने की तपिश क्यों नजर नहीं आती? जब रागिनी, घूमर और मां बोली हरियाणवी का प्रसारक केंद्र ख़तरे में हो तो उनके अहसासों की चिलमें ठंडी क्यों हो जाती हैं?

काश! असमय और अकारण मौत मर रही हरियाणा की इस धरोहर का नाम 'सियासत' होता, तो न जाने कितने लाल या लालों के लाल इस पर अपना-अपना पल्लू डालने की होड़ में लग जाते। ख़ैर, फ़िलवक़्त तो-'पांडव-कौरव' चौसर पर अपने-अपने दांव लगाने में मशरूफ हैं। दायित्व द्रौपदी के संरक्षण का हो या सरस्वती का, उनकी बला से...!

प्रवासियों के असली मुद्दों की हो बात

पुष्परंजन

'नहीं है शक्ति, तो मत बुलाओ।' इंदौर में 9 जनवरी, 2023 को चंदन टीका लगाये एक एनआरआई पत्रकारों के कैमरे के आगे अपमान से आहत होकर आपा खो बैठे थे। प्रवासी भारतीयों के उस महाकुंभ का वीडियो क्लिप देखेंगे, अव्यवस्था से आज़िज लोगों की ऐसी ही आवाज़ सुनने को मिलेगी। लंदन के उपमहापौर को बाहर ही रोक दिया। आधे घंटे मिन्नतों के बाद अंदर आने दिया गया। महाकुंभ में आये एक दूसरे एनआरआई, जगदीश फोबयानी झल्लाये से बोले, 'टाइम से पहले पहुंचने के बाद भी हमें अंदर नहीं जाने दिया गया। आर्गेनाइजर बोल रहे हैं, ओवर कैपसिटी है।' नाइजीरिया से आए देवेश कुमार मिश्रा ने कहा कि हम 8:30 बजे आ गए थे। अंदर जाने नहीं दिया गया। जूली जैन अमेरिका से आई थीं, भड़क गई ऐसी उपेक्षा से, 'अतिथि देवो भवः ऐसे ही होता है क्या?'

लेकिन इन बातों से बेपरवाह प्रधानमंत्री मोदी अपने भाषण में बोल रहे थे, 'प्रवासी, भारत के राष्ट्रदूत हैं।' इंदौर में आहूत 17वें भारतीय प्रवासी दिवस के लिए जिस हॉल में समारोह होना था, उसकी क्षमता थी 2200 गेस्ट की। सरकार की तरफ से जानकारी देते हुए वरिष्ठ अधिकारी एपी सिंह का कहना था कि कुल 66 देशों से 2705 प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। काश, आयोजक क्षमता के अनुरूप ही मेहमान बुलाते।

पीएम मोदी के संबोधन से पहले ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर के ग्रैंड हॉल में एंट्री के वास्ते जो 'राष्ट्रदूत' धक्के खा रहे थे, वो अच्छा अनुभव लेकर तो नहीं गये होंगे। इनमें से चंद चोटिल, बीमार हो चुके एनआरआई अस्पताल में भर्ती किये गये। सीएम शिवराज सिंह चौहान को मंच से बोलना ही पड़ा, 'माफी चाहता हूं, हॉल छोटा पड़ गया, लेकिन दिल में जगह की कमी नहीं है।' वर्ष 2023 नवंबर में मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव हैं। उससे पहले मेघालय, त्रिपुरा, नगालैंड, कर्नाटक, तेलंगाना में चुनाव होने हैं। सरकार को लगा कि मध्यप्रदेश में महाकुंभ कराते हैं, ताकि चुनाव में बताया जा सके कि बाहर से कितना निवेश हो रहा है, और युवाओं को रोजगार के कितने अवसर मिल रहे हैं।

प्रवासी भारतीय दिवस भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 9 जनवरी को मनाया जाता है। इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से स्वदेश वापस आये थे। प्रवासी भारतीय दिवस मनाने की परिकल्पना लक्ष्मीमल सिंघवी ने की थी। 20 साल पहले, तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की देखरेख में पहला प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन 8-9 जनवरी, 2003 को नयी दिल्ली में हुआ था। लेकिन क्या इसका मकसद, भारत में भावी चुनावी राजनीति से जोड़ना था? तब तो ऐसा बिल्कुल नहीं लगा था। 2003 के उद्देश्यों को देखेंगे, तो साफ लगेगा कि मकसद 110 देशों में प्रवासन में रह रहे भारतीयों का नेटवर्क बनाना, और उनकी समस्याओं से रूबरू होना था।

वर्ष 2003 से 2023 तब 17 भारतीय प्रवासी सम्मेलनों की सूची आप देखें, आठ आयोजन दिल्ली में हुए। कोई पूछे कि केवल खाड़ी के देशों में भेजे वर्कर्स में दिल्ली की हिस्सेदारी कितनी रही है? कई राज्यों को मिलाकर विदेश भेजे वर्कर्स के 12 प्रतिशत हिस्से में दिल्ली-एनसीआर, कुछ अन्य राज्यों समेत मध्य प्रदेश भी है। सरकारें बदलती गईं, मगर आप प्रवासी सम्मेलनों की सूची देखेंगे, साफ लगेगा कि इन्हें समानता के आधार पर राज्यवार आयोजित नहीं किया गया।

जो वर्कर्स देश से बाहर गये, आप विदेश मंत्रालय द्वारा जारी 2018 की सूची देखिये, सर्वाधिक 26 फीसद यूपी से, 18 प्रतिशत बिहार से, तमिलनाडु-आंध्र से नौ-नौ प्रतिशत, आठ फीसद केरल, छह प्रतिशत पंजाब से, और चार-चार फीसद बंगाल और राजस्थान का शेयर रहा है। प्रश्न यह है कि बिहार में कभी भी भारतीय प्रवासी सम्मेलन क्यों नहीं हुआ? यूपी में केवल एक बार 2019 में प्रवासी सम्मेलन हुआ। वो भी लखनऊ में नहीं, बनारस में। वजह, प्रधानमंत्री मोदी का चुनाव क्षेत्र होना ही मानिये।

सरकार के स्तर पर 2002 में लागू पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (पीआईओ) को ओवरसीज़ सिटीजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) में विलय किये जाने का झोल लगभग सुलझा दिया लगता है। बांग्लादेश और पाकिस्तान को छोड़कर विश्वभर में फैले 32 करोड़ भारतीय प्रवासी 2023 से 'ओसीआई' माने जाएंगे, ऐसा बताया गया है। ओसीआई कार्डधारी वोट नहीं दे सकते, बाक़ी सारी सुविधाएं आम भारतीयों की तरह उठा सकेंगे। हर साल 25 लाख भारतीय देश छोड़कर विदेश बस रहे हैं, यह संभवतः दुनिया में सर्वाधिक है। आप केवल इनसे प्राप्त विदेशी मुद्रा की परिकल्पना करते हैं, समस्याओं पर विमर्श कम करते हैं। विदेश बसने वाले सभी सुखी और संपन्न हैं, इसका अनुमान प्रवासी भारतीय सम्मेलनों में पधारने वाले वीआईपी अतिथियों को देखकर नहीं लगा लेना चाहिए। 2021 में कोविड काल में 16वें वर्चुअल प्रवासी सम्मेलन को छोड़ दें, तो अब तक हुए सभी प्रवासी भारतीय सम्मेलनों में भारतीय वर्कर्स का जत्था किसी ने नहीं देखा होगा, जो अब तक हुए सभी प्रवासी भारतीय सम्मेलनों में भारतीय वर्कर्स का जत्था किसी ने नहीं देखा होगा, जो गल्फ या पूर्वी एशियाई देशों में मजदूरी करते हैं।

हम चाहें, प्रवासी सम्मेलनों में शिवसागर रामगुलाम, अनिरुद्ध जगन्नाथ, ऋषि सुनक, अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हेरिस, कनाडा में प्रतिरक्षा मंत्री रह चुके हरजीत सज्जन, गुयाना, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड और पुर्तगाल जैसे देशों में भारतीय मूल के अन्य शासनाध्यक्षों को लेकर गर्व करते रहें, मगर एक सच ज़रूर जानना चाहिए कि ये सभी अपने-अपने सद्‌प्रयासों से शिखर तक पहुंचे, इसमें हमारी सरकारों की भूमिका नहीं रही है।

हम कभी इस पर बहस नहीं करते कि विदेश जाने वाले भारतीयों से ठगी करने वालों को कैसे रोका जाए? चेतावनी दे दी, कर्तव्यों की इतिश्री हो गई। यह विमर्श का विषय नहीं कि भारतीय आप्रवासियों में आत्महत्याओं की दर बढ़ने क्यों लगी है? 2017 में एक आरटीआई के माध्यम से पता चला था कि गल्फ देशों में 322 भारतीयों ने खुदकुशी कर ली थी। उससे पहले 2016 में 303 अप्रवासी भारतीयों ने आत्महत्या की थी। जान देने वाले प्रवासी भारतीयों की संख्या कम नहीं हुई है। क्या हमारे दूतावास मुसीबत में फंसे उन भारतीयों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करते हैं? उसका एक डाटा बैंक बनाइये, ताकि डायसपोरा से लेकर इस देश का आम नागरिक भी जान सके।

दिसंबर 2022 में प्रवासी भारतीयों के माध्यम से 100 अरब डॉलर रेमीटेंस (भेजी हुई रकम) की गौरव गाथा हम ज़रूर सुनायेंगे। मगर, खाड़ी देशों में कफाला सिस्टम से मुक्ति के उपायों पर बात नहीं करते। इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन (आईएलओ) भी गल्फ कार्पोरेशन कौंसिल के सदस्य देशों से सवाल नहीं करता कि आप लोग भारतीय कामगारों से भेदभाव क्यों करते हो? हमें मज़बूत इच्छाशक्ति वाला प्रधानमंत्री मिला है, उन्हें बहरीन, कुवैत, ओमान, क़तर, सऊदी अरब, यूएई के समकक्षों से बात करनी चाहिए कि जैसा सुलूक आप यूरोप-अमेरिकी देशों से आये वर्कर्स से करते हो, वही भारतीयों के साथ करें।

युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद

योगेश कुमार गोयल

किसी भी राष्ट्र के विकास की रीढ़ होती है युवा पीढ़ी ऐसी रीढ़ जो यदि क्षतिग्रस्त हो जाए तो शरीर का सीधे खड़े रहना भी असंभव हो जाता है अर्थात् रीढ़ के क्षतिग्रस्त होने पर शरीर का विकास होना भी संभव नहीं। ठीक इसी प्रकार देश के विकास के लिए विकास की रीढ़ यानी युवा वर्ग की मानसिकता का स्वस्थ रहना बेहद जरूरी है। वर्तमान परिवेश में समाज में चारों तरफ अपराधों तथा भ्रष्टाचार का जो मकड़जाल फैल चुका है वह घुन बनकर न सिर्फ देश को अंदर ही अंदर खोखला कर रहा है बल्कि युवा वर्ग भी भ्रष्टाचार और बेरोजगारी के इस दूषित माहौल में हताश व निराश है। ऐसे में युवा वर्ग सही मार्ग से न भटके इसके लिए युवा शक्ति को जागृत कर उसे देश के प्रति कर्त्तव्यों का बोध कराते हुए सही दिशा में प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना और उचित मार्गदर्शन बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे में राष्ट्रीय युवा दिवस की प्रासंगिकता बहुत बढ़ जाती है जो प्रतिवर्ष स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर 12 जनवरी को मनाया जाता है।

हमें भूलना नहीं चाहिए कि देश की आजादी की लड़ाई में अपना सब कुछ बलिदान कर लोगों में क्रांति का बीजारोपण करने वाले अधिकांश युवा ही थे। स्वामी विवेकानंद भगत सिंह चंद्रशेखर आजाद सुखदेव राजगुरू इत्यादि देश के अनेक युवाओं ने देश की आन-बान और शान के लिए अपने निजी जीवन के समस्त सुखों का त्याग कर दिया था और अपना समस्त जीवन देश के लिए न्यौछावर कर दिया था लेकिन आधुनिक युग में हम स्वार्थी बनकर ऐसे क्रांतिकारी युवाओं की जीवन गाथाओं को भूल रहे हैं और हम सब धीरे-धीरे भ्रष्ट तंत्र का हिस्सा बन रहे हैं। ऐसे ही क्रांतिकारी युवा महापुरूषों की जीवन गाथाओं के जरिये देश की युवा पीढ़ी को समाज में व्याप्त गंदगी से बचाकर देश के विकास में उसका सदुपयोग किया जा सके इसी उद्देश्य से आधुनिक भारत के महान चिंतक दार्शनिक समाज सुधारक युवा सन्यासी स्वामी विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को ही प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है जो बहुत कम आयु में अपने विचारों के चलते समस्त जगत में अपनी एक विशेष पहचान बनाने में सफल हुए थे।

स्वामी विवेकानंद के वक्तव्यों का आम जनमानस और खासकर युवाओं के मनोमस्तिष्क पर कितना प्रभाव पड़ता था इसका उनके शिकागो भाषण से बेहतर उदाहरण नहीं मिल सकता। 11 सितम्बर 1893 को जब शिकागो के विश्व धर्म सम्मेलन में हिन्दू धर्म पर अपने प्रेरणात्मक भाषण की शुरूआत उन्होंने 'मेरे अमेरिकी भाइयों और बहनों' के साथ की थी तो बहुत देर तक तालियों की गड़गड़ाहट होती रही थी। अपने उस भाषण के जरिये उन्होंने दुनियाभर में भारतीय अध्यात्म का डंका बजाया था। विदेशी मीडिया और वक्ताओं द्वारा भी स्वामीजी को धर्म संसद में सबसे महान व्यक्तित्व और ईश्वरीय शक्ति प्राप्त सबसे लोकप्रिय वक्ता बताया जाता रहा। यह स्वामी विवेकानंद का अद्भुत व्यक्तित्व ही था कि वे यदि मंच से गुजरते भी थे तो तालियों की गड़गड़ाहट होने लगती थी। उन्होंने 1 मई 1897 को कलकत्ता में रामकृष्ण मिशन तथा 9 दिसंबर 1898 को कलकत्ता के निकट गंगा नदी के किनारे बेलूर में रामकृष्ण मठ की स्थापना की थी। 4 जुलाई 1902 को इसी रामकृष्ण मठ में ध्यानमग्न अवस्था में महासमाधि धारण किए वे चिरनिद्रा में लीन हो गए।

स्वामी विवेकानंद सही मायनों में युवाओं के प्रेरणास्रोत और आदर्श व्यक्तिव के धनी थे जिन्हें उनके ओजस्वी विचारों और आदर्शों के कारण ही जाना जाता है। विवेकानंद सदैव कहा करते थे कि उनकी आशाएं देश के युवा वर्ग पर ही टिकी हुई हैं। वे आधुनिक मानव के आदर्श प्रतिनिधि थे और खासकर भारतीय युवाओं के लिए उनसे बढ़कर भारतीय नवजागरण का अग्रदूत अन्य कोई नेता नहीं हो सकता। अपने 39 वर्ष के छोटे से जीवनकाल में स्वामी जी अलौकिक विचारों की ऐसी बेशकीमती पूंजी सौंप गए जो आने वाली अनेक शताब्दियों तक समस्त मानव जाति का मार्गदर्शन करती रहेगी। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र बुद्धिमत्ता दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। उन्होंने देश को सुदृढ़ बनाने और विकास पथ पर अग्रसर करने के लिए हमेशा युवा शक्ति पर भरोसा किया। उनका कहना था कि मेरी भविष्य की आशाएं युवाओं के चरित्र बुद्धिमत्ता दूसरों की सेवा के लिए सभी का त्याग और आज्ञाकारिता खुद को और बड़े पैमाने पर देश के लिए अच्छा करने वालों पर निर्भर है। युवा शक्ति का आव्हान करते हुए उन्होंने अनेक मूलमंत्र दिए।

नए साल में आर्थिकी की उजली उम्मीदें

डॉ. जयंतीलाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

यकीनन नये वर्ष 2023 में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतर रहने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। जहां एक जनवरी को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वर्ष 2023 वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए कठिन वर्ष रहेगा, वहीं भारतीय उद्योग जगत के प्रमुख 35 सीईओ के एक सर्वेक्षण से यह खुलासा हुआ है कि भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की तुलना में तेज वृद्धि करेगी। नये वर्ष में भारत में निवेश और रोजगार बढ़ेंगे तथा भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी जुझारू क्षमता और मजबूत-वृहद आर्थिक बुनियाद के कारण दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। जहां अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वित्त वर्ष 2023 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि का अनुमान 6.1 फीसदी किया है, वहीं सेंटर फॉर इकोनामिक्स एंड बिजनेस रिसर्च (सीईबीआर) यूके ने भारत की विकास दर 6.5 फीसदी अनुमानित की है।

इसमें कोई दो मत नहीं कि दुनिया के आर्थिक परिदृश्य पर चीन में कोहराम मचा रहे कोरोना के नये वेरिएंट ओमिक्रॉन बीएफ-7 की वजह से कोरोना से चिंताएं बढ़ी हैं। इसके साथ ही अमेरिकी मौद्रिक नीति, बढ़ते हुए वैश्विक कर्ज एवं भू-राजनीतिक परिस्थितियों से वैश्विक मंदी की आशंकाओं से चुनौतियां उभरती दिखाई दे रही हैं। यद्यपि ये सब वैश्विक आर्थिक घटक भारत को भी कई तरह से प्रभावित करेंगे, लेकिन बीते वर्ष 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था के दमखम के साथ आगे बढ़ने के आधार वर्ष 2023 में भी भारत की मुट्ठी में रहेंगे, साथ ही इस साल जी-20 की अध्यक्षता भारतीय अर्थव्यवस्था को 2023 में आगे बढ़ाने का एक और आधार देते हुए दिखाई देगी।

गौरतलब है कि, हाल ही में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के प्रसारण में कहा कि इस समय भारत पांचवीं सबसे बड़ी वैश्विक अर्थव्यवस्था बन गया है। अब 2023 में जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए गर्व की बात है और अब नए वर्ष 2023 में भारतीय अर्थव्यवस्था के आगे बढ़ने की नयी संभावनाएं बनती दिखाई दे रही हैं। वस्तुतः बीते वर्ष 2022 ने उद्योग-कारोबार और सर्विस के लिए दमदार वापसी की जमीन तैयार कर दी है। बीते वर्ष में लगभग प्रतिमाह बाजारों में उपभोक्ता मांग में तेजी, उद्योग-कारोबार गतिविधियों में बेहतरी व अनुमान से अच्छे राजकोषीय नतीजे के कारण जीएसटी कलेक्शन में वृद्धि हुई। दिसंबर 2022 में 1.49 लाख करोड़ रुपये की जीएसटी कलेक्शन हुई। दिसंबर महीने में जीएसटी कलेक्शन पिछले वर्ष दिसंबर 2021 की तुलना में 15 फीसदी अधिक है। वर्ष 2023 में जीएसटी कलेक्शन बढ़ने की संभावना होगी। वर्ष 2023 में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपए में किये जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय कार्यान्वित होते हुए दिखाई देगा। आरबीआई द्वारा भारत व अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपए में किए जाने संबंधी निर्णय के बाद इस समय डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान समेत एशिया और अफ्रीका के कई देशों के साथ विदेशी व्यापार के लिए डॉलर के बजाय रुपये में भुगतान को बढ़ावा देने की नयी संभावनाएं 2023 में सामने खड़ी दिखाई दे रही हैं।

बता दें कि, एक नवंबर 2022 से रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने देश में डिजिटल रुपए के नये दौर की जो प्रायोगिक तौर पर शुरुआत की है, वह नये वर्ष में विस्तारित होते हुए दिखाई देगी। वर्ष 2023 में भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के जरिये विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ता दिखाई देगा। वर्ष 2022 में एक मई से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ एवं 29 दिसंबर से ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए लागू हो चुके हैं। वर्ष 2023 में निवेश के लिहाज से उन्नत अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों के मुकाबले भारत में इक्विटी और डेट, दोनों ही मामलों में बेहतर परिणाम संभावित होंगे। वर्ष 2022 में वैश्विक सुस्ती के बीच भी भारत के शेयर बाजार ने अच्छे परिणाम दिये हैं और 31 दिसंबर, 2022 को सेंसेक्स 61 हजार के आसपास केंद्रित होता दिखाई दिया। भारत का शेयर बाजार 2023 में और ऊंचाई पर पहुंचते हुए दिखाई देगा। निस्संदेह 2023 में देश कृषि क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ेगा। फसल वर्ष 2021-22 के चौथे अग्रिम अनुमान के मुताबिक, देश में कुल खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 31.57 करोड़ टन हुआ है। फसल वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड फसल के अनुमान प्रस्तुत हुए हैं। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के मुताबिक, जिस तरह अप्रैल से अक्तूबर 2022 के सात महीनों में कृषि और संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करीब 12 फीसदी बढ़कर 30 अरब डॉलर हो गया है। उसमें वर्ष 2023 में और अधिक तेजी से वृद्धि होगी।

चूंकि 17वां प्रवासी भारतीय सम्मेलन इंदौर में जारी है, इससे प्रवासियों की भारत में सहभागिता बढ़ेगी। वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने करीब 100 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी है। यह राशि 2023 में और बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगी। माना जा रहा है कि मौजूदा साल में जी-20 की अध्यक्षता से भारतीय अर्थव्यवस्था और तेजी से आगे बढ़ेगी। महत्वपूर्ण है कि जी-20 की अध्यक्षता से पूरी दुनिया में चीन प्लस वन की जरूरत के मद्देनजर भारत दुनिया की पसंद बनते हुए दिखाई दे सकेगा। जी-20 की अध्यक्षता से भारत की ओर एफडीआई का प्रवाह तेजी से बढ़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत को रिकॉर्ड 84 अरब डॉलर का विदेशी निवेश मिला था। वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का उत्पाद निर्यात करीब 419 अरब डॉलर और सेवा निर्यात करीब 249 अरब डॉलर के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचा है, उसमें वृद्धि होगी। 2023 में ग्रुप 20 की अध्यक्षता से भारत के कोने-कोने में स्थित पर्यटन स्थलों की जानकारी दुनिया में विस्तारित होगी। ऐसे में विदेशी पर्यटन भारत की आमदनी का एक प्रभावी भाग बनता दिखाई देगा।

निश्चित रूप से 2023 में वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भारत द्वारा आर्थिक उम्मीदों को मुट्ठी में लेने के लिए कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। कोरोना की नयी चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को कोरोना से बचाव का महा अभियान चलाना होगा। वहीं बूस्टर खुराक के लिए निःशुल्क अभियान दोबारा शुरू करना होगा। महंगाई को नियंत्रित रखना होगा। निर्यात बढ़ाने के साथ गैर जरूरी आयात में कमी लाकर व्यापार घाटा कम करना होगा। साथ ही भारत के आर्थिक रणनीतिकारों को वैश्विक आर्थिक प्रतिकूल परिस्थितियों के मद्देनजर रक्षात्मक रणनीति बनाने के लिए तैयार रहना होगा।

पंजाब के युवक की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

माही की गूंज, रतलाम।

दिल्ली-मुंबई रेल लाइन स्थित कलीमी ब्रिज के नीचे रेल हादसे में युवक की जान चली गई। हादसे के बाद ट्रेन जब रतलाम पहुंची, तब उसमें से उतरे आरपीएफ जवान का कोच में सवार अन्य यात्री वीडियो बनाते और स्टेशन पर हंगामा करते नजर आए। वीडियो में आरपीएफ जवान पर यात्री को ट्रेन से धक्का देने का आरोप भी सुनाई दे रहा है। मामले की गंभीरता पर आरपीएफ जांच में जुटी है।

दीनदयाल नगर पुलिस अनुसार मंगलवार देर रात कलीमी रेलवे ब्रिज के समीप करीब 40 वर्षीय अज्ञात युवक के शव मिलने की सूचना प्राप्त हुई थी। पुलिस ने शव के कपड़ो की तलाशी के दौरान एक आधार कार्ड प्राप्त किया है। आधार कार्ड के अनुसार शव अजीत सिंह (40) निवासी अमृतसर (पंजाब) का बताया जा रहा है। घटनास्थल पर मृतक का सामान भी मिला है। प्रारंभिक जांच में पाया जा रहा है कि, अजीत सिंह भरूच से अमृतसर जा रहा था। कोच में सवार अन्य यात्रियों का आरपीएफ जवान पर आरोप है कि उसने अजीत सिंह को चलती ट्रेन से धक्का दिया। जिससे सामने दूसरे ट्रेक पर आने वाली ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। अजीत सिंह डीलक्स ट्रेन में सवार था। घटना के बाद ट्रेन जैसे ही रतलाम प्लेटफॉर्म नम्बर-6 पर पहुंची, वैसे ही आरपीएफ जवान को पकड़ने कोच में सवार यात्री उतरे और वीडियो बनाते हुए चलती ट्रेन से यात्री को फेंककर जान लेने का गंभीर आरोप भी लगाए।

मामले में आइपीएफ मोहम्मद आर अंसारी ने बताया कि, जांच की जा रही है। जांच उपरांत ही बता संकेंगे की हादसा कैसे हुआ है। सूचना पर रात में ही घटनास्थल का मुआयना कर लिया गया है। शव मेडिकल कॉलेज में पोस्टमार्टम के लिए रखा है।

धोखे से खाता खुलवाकर किया लाखों का लेन-देन

बैंक ने मामला किया उजागर

माही की गूंज, मंदसौर।

पिपलियामंडी के ग्राम सूपड़ा की 26 वर्षीय युवती को अनाथ योजना में आर्थिक लाभ देने के नाम पर खाता खुलवाकर उसमें लाखो का लेन-देन करने का मामला सामने आया है। बैंक ने युवती के खाते में अधिक लेन-देन होने पर युवती से सम्पर्क किया तो पूरा मामला सामने आया। युवती ने थाने में आवेदन देकर धोखाधड़ी करने वाले पर कार्रवाई की मांग की है।

युवती ने अपने भाई व अन्य ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचकर पुलिस को बताया कि, यूनाइटेड बैंक में उसका अकाउंट था। उसी से संबंधित लेन-देन नहीं होने के चलते युवती ने पीएनबी बैंक सर्विस उपभोक्ता शिकायत सेंटर पर कॉल किया था।

11 दिसंबर 2022 को युवती के पास 6026407047 से काल आया ओर शिकायत का निदान करने की बात कहते हुए नया अकाउंट एक्सिस बैंक में खुलवाने की बात कही। धोखाधड़ी करने वाले ने अनाथ योजना से 11 हजार रुपये खाते में आने की भी कहा था।

युवती ने एक्सिस बैंक की गुडभेली शाखा पर नया खाता खुलवाकर पांच हजार रुपये जमा किये थे। युवती ने पुलिस को बताया की खाता खोलने के बाद धोखाधड़ी करने वाले ने 'मुझसे मेरे मोबाइल में' (ऐनी डेस्क) एप्प डाउनलोड करवाया। उसके बाद न मुझे कोई मेसेज मिली न जानकारी मिली। इसी बीच 16 दिसंबर 2022 से 09 जनवरी 2023 तक मेरे खाते में 9 लाख 86 हजार 236 रुपये डाले और अन्य कही ट्रांसफर कर दिए। मंगलवार को बैंक का फोन मुझे आया तो मैं शिकायत करने पहुंची। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अनुपस्थित अधिकारियों कों जारी करें नोटिस- कलेक्टर जैन

माही की गूंज, शाजापुर।

जनसुनवाई कार्यक्रम के तहत सम्पन्न हुई जनसुनवाई में कलेक्टर दिनेश जैन ने विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अनुपस्थित अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने निर्देश दिए कि, जनसुनवाई के दौरान विभागों के जिला प्रमुख अधिकारी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे। बिना सूचना के अनुपस्थित रहने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर तहसीलदार सुनील जायसवाल, नायब तहसीलदार पंकज पवैया एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। जनसुनवाई में मुख्य रूप से कालापीपल वार्ड क्रमाकं 5 के राधेश्याम जोशी व पनवाड़ी के शांतिलाल विश्वकर्मा ने बीपीएल कार्ड बनवाने, मटेवा के बद्रीलाल ने फसल बीमा की राशि दिलाने, अरन्याकलां के द्वारका प्रसाद ने भूमि का पट्टा प्रदान करने, बावड़ीखेड़ा के अर्जुनसिंह ने सौर ऊर्जा में लिये गये कनेक्शन का कनेक्टर बदलवाने, गडरोली मक्सी के पुजारी रवि पंचौली ने पारिश्रमिक प्रदान करने, दुहानी के परमानंद ने मकान के ऊपर से विद्युत लाईन के तार हटवाने, बिजनाखेड़ी के प्रेमसिंह ने पुत्र की कुए में आकस्मिक मृत्यु होने पर आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने, बेरछा के अलाउद्दीन ने अतिक्रमण हटवाने, मक्सी की सुलोचना ने पति के मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता राशि प्रदान करने, गुलाना के कमल प्रजापति ने भूखण्ड का पट्टा प्रदान करने, कालापीपल मण्डी के रवि परमार ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत आवास स्वीकृत करने सहित अन्य आवेदकों द्वारा विभिन्न प्रकार की शिकायतों एवं समस्याओं के आवेदन दिए गए।

आंगनवाड़ियों में बच्चों का लिया वजन व मापी ऊंचाई

माही की गूंज, शाजापुर।

कलेक्टर दिनेश जैन के निर्देशानुसार मो. बड़ोदिया परियोजना को कुपोषण मुक्त किए जाने के प्रयास महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बच्चों को स्वस्थ्य सुपोषित किए जाने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्रों में पंजीकृत समस्त बच्चों का वजन व माप लिया जा रहा है। इन बच्चों में से जो कम/अतिकम वजन के बच्चें या गंभीर कुपोषित बच्चे पाये जाने पर उनका पोषण पुर्नवास केन्द्र में उपचार के लिए भेजा जाएगा। साथ ही कम वजन के बच्चों का ÷मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम÷ अंतर्गत समुदाय आधारित प्रबंधन के माध्यम से किया जाएगा।

इसी परिप्रेक्ष्य में जिला कार्यक्रम अधिकारी सुश्री नीलम चौहान द्वारा मो. बड़ोदिया में चलाए जा रहे वजन अभियान के दौरान वजन व माप लिये गये बच्चों का सेम्पल के रूप में प्रति परीक्षण के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र मण्डोदा, आंगनवाड़ी केन्द्र करजु क्र. 1 व 3, आंगनवाड़ी केन्द्र मोहना, आंगनवाड़ी केन्द्र भवरांसा में जाकर समक्ष में बच्चों का पुनः वजन किया गया। इस दौरान पीरखेड़ी करजु में मंगल दिवस के अवसर पर सुश्री चौहान ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई रस्म सम्पन्न कर महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान रखी जाने वाली सावधानियां उचित व संतुलित भोजन एवं आयरन की गोलियां का समय-समय पर लेने की समझाईश दी गई। इस दौरान परियोजना अधिकारी पंकज दवे, पर्यवेक्षक श्रीमती प्रियंका चंद्रवंशी उपस्थित थी। इसी तारतम्य में श्रीमती लता जोशी की उपस्थिति में आंगनवाड़ी केन्द्र टोलखेड़ा, दुपाड़ा क्रमांक-4 एवं 2 पर समक्ष में वजन लिया गया।

युवा दिवस पर युवा मोर्चा ने किया मैराथन दौड़ का आयोजन

माही की गूंज, भानपुरा। साहिल अगवान

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंदसौर के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी की जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा मंदसौर द्वारा विशाल ओपन मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुनील पटेल श्रीराम के मार्गदर्शन में ओपन मैराथन दौड़ का आयोजन भानपुरा में आयोजित किया गया। 12 जनवरी सुबह 10 बजे स्वामी विवेकानंद की जयंती एवं युवा दिवस के अवसर पर मैराथन दौड़ का आयोजन महाराजा यशवंत राव होलकर महाविद्यालय भानपुरा से प्रारंभ, चंबल चौराहा होते हुए भानपुरा मार्ग पर पहुंची। जहां पर मैराथन दौड़ में प्रथम आने वाले विजेता को प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपए, द्वितीय आने वाले विजेता को 5 हजार 100 रुपए एवं तृतीय आने वाले विजेता को 3 हजार 100 रुपए प्रदान किए गए, जिसमें जिले के कई युवाओ ने भाग लिया।

तीन गांवों के किसान मिले कलेक्टर से, फसलों और मवेशियों के लिए जल समस्या से करवाया अवगत

माही की गूंज, झाबुआ।

शहर से सटे ग्राम धरमपुरी, नाचनखेड़ी, पिपलीया, सेमलिया आदि गांवों के करीब 50 किसानों ने सोमवार शाम को कलेक्टोरेट में कलेक्टर रजनी सिंह से मिलकर गांवों में पानी की समस्या से अवगत करवाया। किसानों के साथ उक्त गांवों के सरपंच एवं तड़वी तथा राष्ट्रीय किसान संगठन के पदाधिकारी भी पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि गांवों में फसलों के लिए पानी नहीं होने के साथ मवेशियों को पिलाने के लिए भी पानी की उपलब्धता नहीं है। काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

कलेक्टोरेट पहुंचे लोगों में राष्ट्रीय किसान संगठन के प्रदेश प्रवक्ता परमजीत सिंह, इंदौर संभाग उपाध्यक्ष अमरू मोहनिया, जिलाध्यक्ष डूटियाभाई गुंडिया, संगठन से जुड़े पप्पूभाई, लीमसिंह भाई, ग्राम पंचायतों के सरपंच-तड़वी में धुल्ला डामोर, तोलिया डामोर, कालू मेड़ा, किसानों में नाना डामोर, रेमू भाबोर आदि ने बताया कि पिछले कुछ महीनों पूर्व उक्त गांवों के ग्रामीणों को धरमपुरी डेम से सत्त पानी मिलता था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से नगरपालिका झाबुआ द्वारा पानी छोड़ना बंद कर दिया। जिसके कारण रबी फसलों को पानी नहीं मिल पाने से प्रभावित हो रहीं है वहीं मवेशियों को भी पिलाने के लिए पानी नहीं है।

पूर्व में सांसद के सामने भी रखी थी समस्या

किसानों ने बताया कि विगत एक सप्ताह पूर्व उक्त गांवों के किसानों ने इस समस्या से सांसद जीएस डामोर को भी उनके कार्यालय पर मिलकर अवगत करवाया था। जिस पर सांसद डामोर के निर्देश पर नगरपालिका ने धरमपुरी डेम से औपचारिकता पूर्ण करते हुए केवल नाममात्र 0.5 सेमी मात्रा में पानी छोड़ा और उसका फोटो खींचकर डेम का शटर लगा दिया। जिससे कोई औचित्य ही नहीं निकला। किसानों ने बताया कि उक्त गांवों मे वर्तमान में पानी की पूर्ति के लिए कोई स्त्रोत नहीं है। आगामी ग्रीष्म ऋतु में समस्या ओर अधिक बढ़ेगी। गांवों में जलस्त्रोत में तालाब एवं हैंडपंप सूख जाने से अब धरमपुरी डेम से ही पानी मिलने की आस है।

अधिकारी नहीं दे रहे उचित जवाब

उक्त किसानों ने आरोप लगाते हुए कहा कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए लगातार नगरपालिका एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों से मिलने के बाद भी कोई उचित जवाब नहीं दिया जा रहा है। टालमटोल किया जा रहा है। सोमवार शाम कलेक्टर सिंह से मिलकर किसानों ने इस ज्वलंत समस्या के स्थायी हल निकालने की मांग रखी है।

कोविड-19 टीकाकरण अभियान छूटे हुए बालक-बालिकाएं जल्द लगवाएं टिका

माही की गूंज, शाजापुर।

जिला टीकाकरण अधिकारी ने बताया कि, शाजापुर जिले को संभागीय वैक्सीन स्टोर उज्जैन से गत दिवस कोवेक्सीन के 930 डोज प्राप्त हुए है। जिन्हें जिले के चारों विकासखण्डों शाजापुर, शुजालपुर, कालापीपल एवं मो. बड़ौदिया में 11 जनवरी तक आवश्यकता अनुसार वितरित कर दिया जाएगा। जिला टीकाकरण अधिकारी शाजापुर ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला परियोजना समन्वयक को जिले की सभी शासकीय एवं निजी शैक्षणिक संस्थाओं को निर्देशित करने के लिये कहा है कि, वे 15 से 17 वर्ष के बालक एवं बालिकाएं जिन्होंने अभी तक कोवेक्सीन का प्रथम एवं द्वितीय डोज नहीं लगवाया, वे प्रथम एवं द्वितीय डोज लगवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि, 18 वर्ष से अधिक उम्र के ऐसे हितग्राही जिन्होंने पूर्व में कोवेक्सीन का प्रथम एवं द्वितीय डोज लगवा लिया है, केवल उन्हें ही कोवेक्सीन का प्रिकोशन डोज लगाया जा सकेगा। उक्त हितग्राही जिला चिकत्सालय शाजापुर, सिविल हास्पीटल शुजालपुर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कालापीपल, मो.बड़ौदिया एवं पोलायकलां में जाकर कोवेक्सीन का डोज लगवा सकते हैं।

नायब तहसीलदार और थाना प्रभारी ने किया पतंग दुकानों का निरीक्षण

माही की गूंज, शाजापुर।

शहर में चायना डोर का क्रय-विक्रय न हो सके इसको लेकर इस बार प्रशासन सक्रिय दिखाई दे रहा है। यही कारण है कि, नायब तहसीलदार मुकेश संवाले, थाना प्रभारी अरविंद्र सिंह तोमर पुलिस बल के साथ शहर की पतंग दुकानों पर पहुंचे और यहां बिक रहे मांझा की जांच की। हालांकि इस कार्रवाई के दौरान किसी भी पतंग दुकान से चायना डोर बरामद नही हुई।

नायब तहसीलदार ने बताया कि, घातक चायना डोर के क्रय और विक्रय पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया गया है। पतंग व्यापारी प्रतिबंध का पालन कर रहे हैं या नही इसका जायजा लेने के लिए ही दुकानों के निरीक्षण की कार्रवाई की गई। वहीं आगामी दिनों में भी औचक निरीक्षण किया चलता रहेगा। कार्रवाई के दौरान पटवारी गोपाल कारपेंटर प्रधान आरक्षक विपिन तोमर, आरक्षक रवि रघुवंशी उपस्थित थे।

हारे का सहारा सेवा समिति ने विद्यार्थियों को किए स्वेटर वितरित

माही की गूंज, भानपुरा।

नगर के सामाजिक संस्था हारे का सहारा सेवा समिति ने कल्याणपुरा में विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किए। यह कार्यक्रम शासकीय माध्यमिक विद्यालय कल्याणपुरा में आयोजित किया गया। जिसमें सर्वप्रथम मां भारती के चित्र पर समिति मार्गदर्शक मुकेश किशन राठौर, अध्यक्ष सुनील माली ने माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात लगभग 50 विद्यार्थियों को हारे का सहारा सेवा समिति भानपुरा द्वारा स्वेटर वितरण किए गए।

बता दें कि, समिति 5 वर्षों से निरंतर नगर में गोसेवा व विभिन्न सामाजिक आयोजनों में सहभागिता करती है। वही इस ठंड में समिति द्वारा एक हजार कंबल का लक्ष्य लेकर व ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़े जरूरतमंदों तक पहुंचा रही है। समिति मार्गदर्शक मुकेश किशन राठौर द्वारा बच्चों को गौ सेवा का महत्व बताते हुए उन्हें गौ सेवा करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही अध्यक्ष सुनील माली द्वारा बच्चों से विभिन्न विषयों पर वार्तालाप किया, वही सेवा करने के लिए भी प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार के कैलाश सैनी, अशोक पाटीदार, बालचंद नागर, महेश सिंचारिया व समिति सदस्य नितेश माली, कमलेश आदि उपस्थित रहे।

उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

माही की गूंज, सुवासरा।

सुवासरा विधानसभा के ग्राम धामनिया गैलाना में उप स्वास्थ्य केंद्र के भवन निर्माण लागत 49 लाख 14 हजार रुपए के कार्य का भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि डॉ. विजय पाटीदार, जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि रोडमल वर्मा, मंडल अध्यक्ष लाल सिंह डूंगावत, महामंत्री डॉ. बालाराम परिहार, अशोक धनोतिया, जनपद सदस्य संजय डाबर, नगर अध्यक्ष दिनेश गुप्ता, दिलीप सिंह तरनोद, गोवर्धन सिंह आंजना, मगनलाल सूर्यवंशी, नेपाल सिंह ढोढर, मेहरबान सिंह, किशोर पाटीदार, अभय जैन, कैलाश गुर्जर, भरत गुर्जर, दिलीप कुमावत, शंभू टेलर सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गरीबों एवं पीड़ितों को मदद कर्मकार मण्डल की योजनाओं का क्रियान्वयन कर करें

माही की गूंज, शाजापुर।

राज्य सरकार निर्माण श्रमिको के हित में कृत-संकल्पित है। मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल की कल्याणकारी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन कर पीड़ितों एवं गरीबों को मदद करें। यह बात मध्यप्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार मण्डल अध्यक्ष हेमंत तिवारी ने शाजापुर में विभागीय योजनाओं की समीक्षा करते हुए कही। इस मौके पर कलेक्टर दिनेश जैन भी मौजूद थे।

अध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि, राज्य सरकार द्वारा निर्माण श्रमिकों के हित के लिए बेहतर से बेहतर योजनाएं बनाई जाकर संचालित की जा रही है। अध्यक्ष श्री तिवारी ने निर्देशित किया कि निर्माण श्रमिकों के प्रकरण लंबित नहीं रखें। शासन स्तर से निराकरण हेतु अपेक्षित प्रकरणों को तत्काल प्रेषित करें, मंडल द्वारा बगैर समय गवाएं स्वीकृति दी जाएगी। योजनाओं का मैदानी क्षेत्रों में सघन प्रचार-प्रसार करें। कर्मकार कल्याण मंडल निर्माण श्रमिकों के लिए उल्लेखनीय योजनाओं का संचालन कर रहा है। श्रमिकों के मेधावी बच्चों को विदेश अध्ययन के लिए 40 लाख रुपए, आवास, भोजन एवं अन्य व्यवस्थाओं के लिए 10 लाख रुपए राशि उपलब्ध कराई जा रही है। योजना का लाभ देने के लिए अभी तक प्रदेश के चार विद्यार्थी चिन्हित किए गए हैं जो विदेश अध्ययन के लिए जाने वाले हैं। कौशल प्रशिक्षण योजना की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि भोपाल में कर्मकार मण्डल द्वारा आईटीआई संचालित किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि, कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा रेन बसेरा निर्माण तथा आश्रय शेड निर्माण के लिए भी पर्याप्त राशि दी जा रही है, जिला इसका लाभ उठाए। निर्माण श्रमिकों के लिए ग्राम पंचायत तथा नगर परिषद में रेन बसेरा निर्माण के लिए 10 लाख रुपए तथा नगर निगम में रेन बसेरा निर्माण के लिए 20 लाख रुपए राशि उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। श्री तिवारी ने निर्देशित किया कि योजनाओं के प्रचार प्रसार के लिए सहज दृष्टिगोचर स्थानों पर बोर्ड लगाए जाएं। मंडल की औजार उपकरण खरीदी योजना में पंजीयन वृद्धि के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर जैन ने सभी अधिकारियों से कहा कि, निर्माण श्रमिकों के पंजीयन जिस निकाय में कम हुए हैं, वहां फिर से शिविर लगाकर पंजीयन बढ़ाएं। पंजीकृत श्रमिकों की मृत्यु पर अंत्येष्टी अनुग्रह सहायता राशि प्रदान करने की योजना के क्रियान्वयन के लिए सभी निकाय अपने क्षेत्र में जारी मृत्यु प्रमाण पत्रों की समीक्षा कर पात्र व्यक्तियों का पता लगाएं और उनके परिवारों को सहायता उपलब्ध कराएं। कलेक्टर ने बताया कि, जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर उन्हें कर्मकार मण्डल की योजनाओं से अवगत कराया जायेगा, ताकि जरूरतमंदों को लाभांवित किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि जिले में अधिक से अधिक पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ दिया जायेगा।

इस अवसर पर श्रम पदाधिकारी रामगोपाल रजक ने विभाग की प्रसूति सहायता, चिकित्सा सहायता, विवाह सहायता, मृत्यु पर अंत्येष्टी अनुग्रह सहायता, निर्माण स्थल पर कार्य के दौरान अपंजीकृत श्रमिक की मृत्यु की दशा में मृत्यु पर अंत्येष्टी अनुग्रह सहायता, शिक्षा प्रोत्साहन राशि, सुपर 5 हजार दसवी एवं 12वी, एमपीपीएसएसी एवं यूपीएससी की परीक्षा में सफलता पर सहायता, विदेश अध्ययन के लिए निःशुल्क शिक्षा, खिलाड़ी प्रोत्साहन, कौशल उन्नयन, औजार उपकरण खरीदी अनुदान, साईकल अनुदान, आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, रैनबसेरा, निर्माण पीठाश्रमिक आश्रय, श्रमोदय आवासीय विद्यालय तथा आदर्श आईटीआई योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया। चर्चा के दौरान श्रमिक संघ पदाधिकारी द्वारा सुझाव भी दिए।

गणतंत्र दिवस की तैयारियों के संबंध में विभिन्न विभागों को दी गई जिम्मेदारी

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर रजनी सिंह के द्वारा गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2023 को जिला मुख्यालय पर आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों के संबंध में रूपरेखा निर्धारित की गई एवं विभागवार सबंधित अधिकारियों को कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित करने की जिम्मेदारी दी गई।

26 जनवरी 2023 को गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन शहीद चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नात्कोतर महाविद्यालय पर आयोजित है। ध्वजारोहरण कार्यक्रम प्रातः 8 बजे प्रारंभ होगा। मैदान निर्माण कार्य को 15 जनवरी तक पूर्ण करने हेतु कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग संभाग झाबुआध्संभागीय परियोजना यंत्री परियोजना क्रियान्वयन ईकाई झाबुआ को निर्देश दिया गया। मैदान स्थल की रंगाई पुताई, बास बल्ली, मंच सज्जा, प्रवेश द्वार पार्किंग की व्यवस्था, परेड ग्राउड का ट्रेक, राष्ट्रीय ध्वज को जवाबदारी पूर्ण प्रोटोकाल का पालन करते हुए व्यवस्था करे। राष्ट्रीय गान पुलिस बैण्ड पर होगा राष्ट्रपति जी की जय का उदघोष होगा। उदघोषणा का कार्य सीमा त्रिवेदी प्रभारी प्राचार्य कन्या उ.मा. विद्यालय झाबुआ एवं हरिश कुण्डल शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय झाबुआ के द्वारा किया जायेगा। फोटोग्राफर्स की व्यवस्था का दायित्व सहायक संचालक जनसम्पर्क झाबुआ का रहेगा। गुब्बारे हल्के तथा तिंरगे (ओरेंज, सफेद एवं हरे रंग) के होना चाहिए जिसकी व्यवस्था अधीक्षक जिला जेल झाबुआ एवं जिला परिवहन अधिकारी द्वारा की जावेगी। समारोह स्थल पर बिजली व्यवस्था का दायित्व अधीक्षक यंत्री म.प्र. विद्युत मण्डल झाबुआ का रहेगा।

इसके अतिरिक्त शुद्ध पेयजल की व्यवस्था, जो छात्र-छात्राएँ अपनी प्रस्तुती देगें उनकी बेहतर बैठने की व्यवस्था, लड्डु की व्यवस्था, परेड निरीक्षण हेतु वाहन की व्यवस्था, साउड सिस्टम, टैन्ट कुर्सी, बैड व्यवस्था, कानून व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, अतिथियों की स्वागत की व्यवस्था, निमंत्रण कार्ड की व्यवस्था, सभी शासकीय भवनों पर विद्युत व्यवस्था, झाँकी की व्यवस्था, परेड कार्यक्रम, उत्कृष्ट कार्य करने वालों को पुरूस्कार की व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा आदि की उचित व्यवस्था की जायेगी।

26 जनवरी 2023 को आयोजित समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न हो इस हेतु पर्याप्त पुलिस बल एवं कार्यपालिका दण्डाधिकारी की ड्यूटी लगाई जायेगी। गणतंत्र दिवस समारोह के बाद भारत पर्व उत्सव का कार्यक्रम भोपाल से आने वाली टीम के द्वारा जिला पंचायत झाबुआ क नये हॉल पर रात्रि 7 बजे आयोजित किया जावेगा।

विश्व बैंक परियोजना के अंतर्गत एक दिवसीय बेडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन

माही की गूंज, झाबुआ।

शहीद चन्द्रशेखर आजाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ में बुधवार को विश्व बैंक परियोजना के उत्कृष्टता के अंतर्गत एक दिवसीय सह-पाठ्येत्तर की गतिविधियों के तहत् बालक एवं बालिका वर्ग की बेडमिन्टन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी प्राचार्य डॉ. जे.सी. सिन्हा द्वारा बेडमिन्टन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

बेडमिन्टन प्रतियोगिता में शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ, शासकीय कन्या महाविद्यालय झाबुआ, शासकीय आदर्श महाविद्यालय झाबुआ के बालिका वर्ग में 20 एवं बालक वर्ग में 15 कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

बेडमिन्टन प्रतियोगिता आयोजन समिति संयोजक डॉ. गोपाल भूरिया एवं सदस्य डॉ. रीना गणावा, डॉ. रीता गणावा, डॉ. राजू बघेल, डॉ. मनीषा सिसोदिया, प्रो. जेमाल डामोर, डॉ. उषा पोरवाल, डॉ. आर.एस. अजनार तथा विश्व बैंक परियोजना प्रभारी डॉ. वी.एस. मेंडा, क्रीडा अधिकारी कोमलसिंह बारिया सहित समस्त प्राध्यापक वर्ग एवं महाविद्यालयीन स्टाफ तथा बडी संख्या में छात्र-छात्राऐं उपस्थित रहे।

विवेकानन्द जयंती युवा दिवस के रूप में मनाई जायेगी

माही की गूंज, झाबुआ। 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जयंती ''युवा दिवस'' के रूप में मनाया जाने हेतु सर्व संबंधित जिला अधिकारियों को दायित्व सौंपे गये है। जिला मुख्यालय पर युवा दिवस का आयोजन एवं रक्तदान शिविर का आयोजन शासकीय शहीद चन्द्र शेखर आजाद महाविद्यालय झाबुआ पर किया जाएगा। युवा दिवस को जिले में शासकीय महाविद्यालयों / स्कूलों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे, जिसमें युवाओं की भूमिका विषय पर परिचर्चा, भाषण, रैली, खेलकूद आदि कार्यक्रम होंगे। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रमों के अंतर्गत पोस्टर, जन-जागृति जुलूस, नुक्कड नाटक के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। युवा दिवस के दिन जिला रक्तदान शिविर में शासकीय पीजी महाविद्यालय एवं मॉडल कालेज आबुआ के लगभग 25-30 छात्र-छात्राओं द्वारा रक्तदान किया जाएगा। जिला रेडक्रास सोसायटी के माध्यम से अपील की जाती है, कि युवा दिवस को अधिक से अधिक जनमानस एकत्रित रक्तदान में भागीदारी देवे।

कलेक्टर ने ऑपरेशन सत्यापन के तहत किया शासकीय योजनाओं का सत्यापन

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने अपने अनूठे अभियान ऑपरेशन सत्यापन के तहत बुधवार को ग्राम पंचायत वझर एवं मोयदा पहुंचकर शासकीय योजनाओं का सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत में सचिव से संधारित किए जाने वाले रिकॉर्ड एवं मस्टर रोल के बारे में जानकारी भी प्राप्त की। साथ ही सचिवों को यह निर्देशित भी किया कि ग्राम पंचायत के बाहर पंचायत द्वारा मनरेगा के अंतर्गत दिए जाने वाले रोजगार एवं दी जाने वाली मजदूरी के बारे में भी जानकारी चस्पा की जाए।

इस दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा एवं पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने ग्राम पंचायतों में पेसा एक्ट के अंतर्गत गठित ग्राम सभाओं एवं उनके द्वारा गठित समितियों के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की साथ ही यह भी जानकारी दी कि शुक्रवार को जिले के समस्त जनपद मुख्यालयों पर बैंकों के प्रतिनिधि उपस्थित होकर ग्राम सभा का खाता खोलेंगे। इसलिए ग्राम सभा का सभापति एवं दो अन्य व्यक्ति ग्राम सभा का ठहराव प्रस्ताव, आधार कार्ड साथ लेकर जाए जिससे कि सुविधाजनक ढंग से ग्राम सभा का खाता बैंक में खुल सके।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने पंचायत सचिव एवं जीआरएस को यह निर्देशित किया कि ग्राम सभा में पलायन रजिस्टर भी अनिवार्य रूप से

बनाया जाए । जिसमें इस बात का उल्लेख हो कि ग्राम के कौन से व्यक्ति किस ठेकेदार के साथ, किस जगह पर मजदूरी करने गए हैं। जिससे कि ग्रामीणों के साथ पलायन वाली जगह पर होने वाली घटना दुर्घटना के समय उनकी जानकारी आसानी से प्राप्त की जा सके।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा, पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, एसडीएम पानसेमल जितेंद्र पटेल, जनपद पानसेमल के सीईओ महेश पाटीदार सहित खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

अवसर: बड़वाह कॉलेज ने जाने बड़वानी के नवाचारात्मक प्रयोग

माही की गूंज, बड़वानी।

शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. एन. एल. गुप्ता के मार्गदर्शन में कार्यरत स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ अपनी निरंतर सक्रियता और न्वाचारात्मक प्रयोगों के लिए जाना जाता है. करियर सेल की टीम के सदस्यों ने जवाहरलाल नेहरु शासकीय स्नातक महाविद्यालय, बड़वाह की प्राचार्य डॉ. मंगला ठाकुर, डॉ. अरविन्द श्रीवास्तव, डॉ. एस. के शर्मा, प्रो. कृतिका श्रीवास्तव एवं अन्य प्राध्यापकगण और विद्यार्थियों के समक्ष पीपीटी से बडवानी के नवाचारों की जानकारी दी। कार्यकर्ता एवं प्रशिक्षा समूह के गठन के समय महाविद्यालय के प्राचार्य तथा पूर्व कुलपति डॉ. शिवनारायण यादव ने सांस्कृतिक समन्वय और इतिहास पर भूगोल के प्रभाव विषयक व्याख्यान के साथ ही उपस्थितजन को बताया कि नई पीढ़ी को गढ़ने के लिए बड़वानी करियर सेल प्रतिदिन औसतन बारह घंटे कार्य करता है।

पीपीटी से विस्तृत प्रस्तुति देते हुए करियर सेल की टीम के सदस्यों डॉ. मधुसूदन चैबे, प्रीति गुलवानिया, वर्षा शिंदे एवं वर्षा मुजाल्दे ने व्यक्तित्व विकास के अध्यापन की प्रक्रिया, प्रेक्टिकल की फाइल के निर्माण और वर्ष भर चलने वाले सृजनात्मक सीसीई के बारे में जानकारी दी, जिसे सुनकर विद्यार्थी बहुत प्रेरित हुए. बडवानी की फाइल्स, प्रोजेक्ट आदि का अवलोकन किया. पांच पीढ़ियों के इतिहास लेखन पर आधारित सीसीई की बहुत प्रशंसा की गई. प्राचार्य डॉ. ठाकुर ने कहा कि इस पैटर्न को बड़वाह कॉलेज में भी अपनाएंगे। इस तरह के प्रयोग विद्यार्थियों को मौलिक सोचने और अध्ययन से अधिक से अधिक जुड़ने के लिए प्रेरित करते है।

कार्यकर्तागण किरण वर्मा, अंकित काग, कन्हैयालाल, फूलमाली, स्वाति यादव, हिमांशी वर्मा, सुरेश कनेश, दिलीप रावत, दिव्या पाटिल, सुनील मेहरा, जगमोहन गोले, सूरज सुल्या आदि ने कहा कि उनके प्रयासों का मूल्यांकन और प्रशंसा होते देखकर बहुत अच्छा लगता है साथ ही और अधिक कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महारुद्र यज्ञ

माही की गूंज, काकनवानी।

वर्षों बाद होने जा रहा है भव्य महारुद्र यज्ञ, जिसमें शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं नवकुंड आत्मक महारुद्र यज्ञ जो कि, 1 फरवरी से 5 फरवरी तक चलेगा। जिसमें 1 फरवरी को विशाल चुनरी यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारंभ होगा। इस यज्ञ हेतु कुंड बनाकर यज्ञशाला को भव्य रुप से तैयार किया जा रहा है। इस भव्य महारुद्र यज्ञ की तैयारियों के साथ-साथ आदिवासी अंचल एवं आसपास के समस्त क्षेत्र में जोर-शोर से प्रचार-प्रसार भी चल रहा है, जिसमें आसपास के आदिवासी समाज से सैकड़ों भक्त सहित प्रचार-प्रसार एवं शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव एवं महारुद्र यज्ञ में सहयोग कर रहे हैं।

इस यज्ञ के दौरान 2 फरवरी से 4 फरवरी तक रात्रि 8 बजे अनिरुद्ध मुरारी जी के मुखारविंद से नानी बाई का मायरा कथा वाचन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के आयोजक श्री टाट वाले बाबा के नाम से प्रख्यात श्री राम बाबा ने समस्त भक्तों को आमंत्रित किया है।

प्रशासन ने किया नगरीय निकाय निर्वाचन के मद्देनजर पानसेमल में बनाए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शिवराज सिंह वर्मा तथा पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने नगरीय निकाय निर्वाचन के मद्देनजर शासकीय महाविद्यालय पानसेमल में नगर परिषद पानसेमल के निर्वाचन हेतु बनाए गए स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया।

इस दौरान उन्होंने महाविद्यालय परिसर में ही बनाए गए मतगणना कक्ष के संबंध में आवश्यक जानकारी सहायक रिटर्निंग अधिकारी पानसेमल जितेंद्र पटेल से प्राप्त की। इस दौरान सहायक रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि, गणना कक्ष में नगर परिषद के 15 वार्डो के लिए 15 टेबल लगाकर गणना का कार्य संपन्न किया जाएगा।

कलेक्टर शिवराज सिंह वर्मा ने नगरीय निकाय निर्वाचन के मद्देनजर शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पानसेमल के परिसर में बनाए गए 7 मतदान केंद्रों का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने सहायक रिटर्निंग अधिकारी जितेंद्र पटेल से मतदान केंद्रों के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्राप्त की।

कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ अनिल कुमार डामोर, एसडीएम पानसेमल जितेंद्र पटेल, जनपद पंचायत पानसेमल सीईओ महेश पाटीदार सहित खंड स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

प्रवासी भारतीय दिवस समारोह में जिले के युवाओं ने किया प्रदेश का प्रनिधित्व

माही की गूंज, खरगोन। पीजी कॉलेज खरगोन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने इंदौर में आयोजित 17 वे प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में सहभागिता की। भारत सरकार विदेश मंत्रालय तथा मध्य प्रदेश शासन के सयुंक्त तत्वाधान में 8 से 10 जनवरी तक प्रवासी भारतीय दिवस समारोह जिले के स्वयंसेवक सावन धनगर, संवेदना पंढ़ाणे, श्रेया से, पूजा सोलंकी, हर्षिता बदनावर, हर्ष राठौर, गौतम भालसे, रीतिक नागराज ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। प्राचार्य डॉ. आरएस ने बताया कार्यक्रम मुख्य आकर्षण अतिथि के रुप में पधारे सुरीनाम व गुयाना के राष्ट्रपति व 70 देशों से पधारे ऊर्जावान प्रवासी भारतीय उपस्थित रहे। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री श्री एस जयशंकर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंत्री श्री अनुराग सिंह ठाकुर व प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा कार्यक्रम का मुख्य आतिथ्य किया गया। डॉ. सुरेश अवासे ने बताया 17वें प्रवासी भारतीय दिवस की थीम प्रवासी अमृत काल में भारत की प्रगति के लिए विश्वसनीय भागीदार है। विद्यार्थियों की सहभागिता पर प्रशासनिक अधिकारी डॉ. जेएस चौहान, एसडी पाटीदार, डॉ वंदना बर्वे, महिला इकाई कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पुष्पा पटोदे ने हर्ष जताया और विधार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

दिव्यांगों को चिन्हित करने शिविर होगा

माही की गूंज, खरगोन। समस्त दिव्यांगजनों को स्पर्श पोर्टल पर दर्ज कृत्रिम अंग व अन्य सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए गुरूवार को खरगोन में दिव्यांगों को चिन्हित करने के लिए शिविर का आयोजन होगा। शिविर नर्मदा भवन जल संसाधन विभाग डायवर्शन रोड़ विश्राम गृह में प्रातः 10 बजे से आयोजित होगा। खरगोन जनपद सीईओ ने बताया कि शिविर में शत प्रतिशत दिव्यांगों को सहायक उपकरण प्रदान करने के लिए चिन्हित किया जाएगा। दिव्यांगों को मेडिकल बोर्ड द्वारा जारी प्रमाण पत्र की छाया प्रति, आधार कार्ड, सामग्र आईडी, पोसपोर्ट साईज दो फोटो जिसमें दिव्यांगता प्रदर्शित हो रही हो।

बढ़ती ठंड के कारण ऊनी गर्म कपड़ों में बढ़ी मांग

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ तथा आसपास के क्षेत्र में विगत एक सप्ताह से शीतलहर का प्रकोप जारी है। ठंड के कारण लोग परेशान होते देखे जा सकते हैं। ठंड के कारण ऊनी वस्त्रों की मांग बढ़ने से व्यापारी खुश हैं हाट बाजारों में ऐसे वस्त्रों की बिक्री देखी जा सकती है।

इन दिनों क्षेत्र में मौसम लगभग हर दो-चार दिनों में बदल रहा है कभी हल्की गर्मी तो कभी ठंड का असर दिखाई पड़ता है। विगत लगभग 1 सप्ताह से क्षेत्र में शीतलहर चल रही है ठंडी हवाओं ने क्षेत्र को कपा कर रख दिया पारा प्रतिदिन गिरता जा रहा है। लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। ठंड के कारण हाट बाजारो तथा स्थानीय स्थाई व्यापार करने वाले व्यापारियों के पास ऊनी वस्त्रों की मांग बढ़ती जा रही है। दुकानों में रखा स्टॉक बाहर आ गया है हाट बाजारों में सड़क किनारे इन कपड़ों के ढेर देखे जा सकते हैं, जहां से ग्रामीण सस्ते गर्म कपड़े खरीद कर स्वयं तथा परिवार को ठंड से सुरक्षित रखने का प्रयास कर रहे हैं। ठंड का असर अभी कुछ दिन जारी रहने की उम्मीद जताई जा रही है।

योग अभ्यास सत्र का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भवती में स्वामी विवेकानंद के जन्मदिवस पर आयोजित होने वाले सूर्यनमस्कार कार्यक्रम की तैयारी हेतु ओजस क्लब भवती द्वारा योग के अभ्यास सत्र का आयोजन किया गया। इस अभ्यास सत्र में बड़वानी जिले में योग गुरु के नाम से प्रसिद्ध श्री कृष्णकांत सोनी के मार्गदर्शन में बच्चों ने योग की बारीकियों को समझा। इस दौरान लगभग 200 बच्चों ने एक साथ योग किया ।

ओजस क्लब प्रभारी सह आयोजक महेश शिंदे के अनुसार योगगुरु श्री सोनी का योग के प्रति समर्पण वंदनीय है। ये स्वयं के खर्चे पर विभिन्न संस्थाओं में योग का अलख जगा रहे है।

कार्यक्रम की शुरुआत योग प्राणायाम से हुई तथा बच्चों ने योगगुरु के साथ सूर्य नमस्कार के विभिन्न आसन का अभ्यास किया। अभ्यास सत्र में श्री सोनी द्वारा योग को बहुत उपयोगी क्रिया है बताया जिसे हर उम्र के व्यक्ति को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज इंसान अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं है। अनियमित दिनचर्या और गलत खानपान से व्यक्ति मानसिक एवं शारीरिक रोगों के शिकार हो रहा है। हमें अपने शरीर एवं स्वास्थ्य के लिए प्रतिदिन योग हेतु समय निकालना ही चाहिए । योग जैसी क्रियाओं की वजह से ही हमारे देश भारत को विश्व में पहचान मिली है । उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न बीमारियों जैसे रक्तदाब, डायबिटीज, कमर दर्द, सिर दर्द, साइटिका आदि बीमारियों के उपचार में उपयोगी योग क्रियाओं के बारे में व्यवहारिक रूप से बताया आज सबसे महत्वपूर्ण क्रिया जलनेति एवम विद्रुल आसन रही ।इस क्रिया को रूप से करने में बहुत मजा आया। उन्होंने युवाओं को नशा बीड़ी सिगरेट तंबाकू आदि से बचने तथा सभी को मिलजुलकर आत्मीय भाव से रहने को कहा ।

प्राचार्य असलम खान ने आभार प्रदर्शन करते हुए कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में योग को जरूर शामिल करना चाहिए। श्री सोनी जी द्वारा सिखाई गई योग क्रियाऐं बहुत ही रोचक है और सरल है जिनके व्यवहारिक प्रयोग की आवश्यकता है।

विधिक साक्षरता शिविर में यातायात के नियमों व लैंगिक अपरोधों की दी जानकारी

माही की गूंज, खरगोन।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मण्डलेश्वर के डीके नागले के मार्गदर्शन में बुधवार को तहसील विधिक सेवा समिति खरगोन के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश जीसी मिश्रा द्वारा श्रीजी इंस्टीट्युट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मेनेजमेंट कॉलेज खरगोन में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश श्री मिश्रा ने समाज में बढते लैंगिक अपराधों के व मोटर व्हीकल एक्ट के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष की आयु के के बाद एवं ड्रायविंग लाईसेंस प्राप्त करने के पश्चात ही वाहन को चलाना चाहिए। यदि बिना ड्रायविंग लाईसेंस के बिना कोई बालक या बालिका वाहन को चलाते है तो उनके माता पिता को भी विधि में दण्ड का प्रावधान है। वहीं यातायात प्रभारी दिपेन्द्र स्वर्णकार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों की जानकारी देते हुए आग्रह किया कि स्वयं भी यातायात के नियमों का पालन करें और नियमों की जानकारी अपने परिचितों को भी अवगत कराएं। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री प्रवीण महाजन, समस्त कर्मचारी व पैरालीगल वालेंटियर श्री परसराम गंधारे, श्री नीलम ओमप्रकाश पगारे, कु. यामिनी पाण्डे एवं कु. रीना चौहान उपस्थित रहे।

तीसरी आंख बंद, पुलिस भी कम, कैसे थमेगी चोरियां

माही की गूंज, जोबट।

नगर में विगत कुछ माह से चोरियां थमने का नाम नहीं ले रही है साथ ही चोरों के होसले आए दिन बुलंद होते जा रहे है। नगरवासी भी चोरी की घटनाओं को लेकर अपने आप को असुक्षित महसूस कर रहे है। तो वही पुलिस चोरी की घटनाओं को रोकने में खुद को नाकाम महसूस कर रही है। विगत कुछ माह पहले नगर के प्रमुख मार्ग पर पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष दीपक चौहान के सुने मकान को चोरों निशाना बनाकर यहां से लगभग 12 लाख नकद और पुश्तैनी जैवर लेकर फरार हुए थे। लेकिन इतनी बड़ी चोरी में सुराग ने नाम पर पुलिस के हाथ आज भी खाली है। जिसके चलते चोरों के हौसले बुलंद होते गए और एक के बाद एक चोरी की घटना को चोर बेखौफ होकर अंजाम दे रहे है।

इसके बाद नगर के बड़े नाके स्थित राजेंद्र मेडिकल और उसके पास श्रृंगार स्टोर की दुकान पर एक साथ चोरों ने धावा बोला। छेटे नाके स्थित अनाज व्यापारी नरेंद्र जैन की दुकान के ताले तोड़कर चोर गल्ले में 12 हजार रूपए चुरा ले गए। इसके बाद 26 दिसंबर को मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक का शटर उठाकर चोर बैंक लूटने के उद्देश्य से अंदर घुसे हालांकि चोरों को यहां कुछ नही मिला तो वे वाउचर का बैग लेकर फरार हो गए। यह घटना बैंक के सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दे रही है। इसके बाद विगत 8 जनवरी को अगाल धर्मशाला के पास स्थित अजय जायसवाल की मोबाइल की दुकान का शटर उठाकर चोर अंदर घुसे और 12 हजार नकद और लगभग पचास हजार के मोबाइल फोन लेकर फरार हो गए। इतना ही नहीं नगर में आए दिन दो पहिया वाहन चोरी होना तो जैसे एक आम बात हो गई है। बीते मंगलवार को दिन दहाड़े चर्च के पास से ग्राम देदला के हम्माल तेरसिंह की होंडा शाइन मोटर साइकिल चोर लेकर रफ्फू चक्कर हो गए।

पुलिस का कहना है कि, यहां पुलिस बल की कमी है और नगर में सुरक्षा की दृष्टि से लगाए अधिकांश सीसीटीवी कमरे बंद है। नगर परिषद ने नगर में कुल 16 कमरे लगवाए थे लेकिन नियमित देखरेख के अभाव में ज्यादातर कमरे बंद हो चुके है। साथ ही पुलिस कंट्रोल रूम में लगी एलसीडी जिससे पुलिस कैमरों का लाइव टेलीकास्ट देखती है वो एलसीडी पिछले कई माह से बंद पड़ी है। जिसके लिए नगर परिषद में तीन बार आवेदन दे चुके है।

पुलिस बल की जानकारी

यहां कुल स्वीकृत पुलिस स्टाफ 79 है लेकिन अभी मौजूद स्टाफ 53 है। जिसमे से खट्टाली चौकी पर 5 जवान तैनात है, 2 जवान अटैक है, 4 जवानों की ड्यूटी तहसील ट्रेजरी में है, 16 लोग अलग-अलग बीट देख रहे है जो मामलो में विवेचना का काम देखते है, 26 आरक्षक है जिसमे 8 जवान गस्त का काम देखते है। साथ ही पुलिस के पास गस्त के लिए घोड़ों की भी व्यवस्था नहीं है।

स्वास्थ परिसर पार्किंग स्थल बना, रोके तो रोके कौन...?

वरिष्ठ अधिकारियों के नहीं रहने तथा ध्यान नहीं देने के कारण अव्यवस्था फैली

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ स्वास्थ केंद्र परिसर इन दिनों निजी वाहनों के लिए पार्किंग स्थल बनता जा रहा है। विशेषकर हाट बाजार के दिन बाहर से आने वाले व्यापारी द्वारा जहां-तहां वाहन खड़े कर देने से अस्पताल जाने आने वाले तथा एंबुलेंस एवं जननी वाहनों को निकालने में परेशानी होती है। जवाबदारों के नहीं होने तथा ध्यान नहीं देने का नतीजा माना जा रहा रहा है।

आम्बुआ स्वास्थ्य परिसर एक बड़े भूभाग में फैला हुआ है। मगर विगत वर्षों से लेकर आज तक परिसर की ओर वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान नहीं देने के कारण परिसर के अंदर व बाहर अतिक्रमण की बाढ़ सी आ गई है। जिसको जैसा समझ में आया जमीन का उपयोग किया जाता रहा है। अभी हाल ही में इसी परिसर में एक विशाल स्वास्थ केंद्र भवन का निर्माण होकर यहां स्वास्थ सेवाएं प्रारंभ की गई। जहां पर प्रतिदिन विशेषकर हाट बाजार के दिन मरीजों की भीड़ रहती है। परिसर में एंबुलेंस तथा जननी वाहन खड़े रहते हैं। जिन्हें कभी भी सूचना मिलने पर बाहर आना-जाना पड़ जाता है। इसी तरह बीमारों एवं दुर्घटना में घायलों को निजी वाहनों से भी लाना ले जाना पड़ता है। इसी परिसर में हाट बाजार के दिन बाहर से आने वाले व्यापारियों द्वारा पूरे परिसर में जहां-तहां तथा प्रमुख मार्ग पर वाहन खड़े कर दिए जा रहे हैं। जिस कारण मरीजों तथा मरीजों को लाने ले जाने वाले वाहनों को आने-जाने में परेशानी होती है। कई बार एंबुलेंस एवं जननी वाहन फसते देखे गए हैं। इन अनावश्यक रूप से खड़े किए जा रहे वाहनों को रोकने वाला यहां कोई नहीं, कारण कि स्वास्थ्य परिसर में कोई भी जवाबदार अधिकारी मौजूद नहीं रहता है। जो अधिकारी कभी-कभी आते जाते हैं उन्हें कुछ लेना-देना नहीं। लगता शायद यही कारण है की परिसर अनावश्यक वाहनों के पार्किंग स्थल बनता जा रहा है।

ठेकेदार नितेश अग्रवाल पर दर्ज हो एफआईआर, भील सेना ने दी चेतावनी

माही की गूंज, अलीराजपुर।

पिछले दिनो आम्बुआ मे पकडाए सरकारी अनाज के ट्रको के मामले मे मूख्य आरोपी नितेश अग्रवाल पर एफआईआर दर्ज कराने के लिए अब सामाजिक संगठन भी खुलकर सामने आ गए है। भील सेना संगठन के संस्थापक शंकर बामनिया ने जिला कलेक्टर ओर प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि, गरीबो के हक के अनाज की कालाबाजारी करने वाले अनाज माफीया नितेश अग्रवाल के खिलाफ प्रशासन एफआईआर दर्ज करे। नही तो भील सेना संगठन सभी आदिवासी समाज के सामाजिक संगठनो के साथ कलेक्टर कार्यालय का घेराव करेगा। क्योकि जो कार्यवाही प्रशासन ने की है वो कही न कही शंका के घेरे मे है। प्रशासन, राजनीतिक दबाव मे कार्यवाही के नाम पर लिपापोती कर मामले को भटकाने का काम कर रहा है। आखिर क्या कारण है कि, जिले मे इतना बडा अनाज की कालाबाजारी का मामला सामने आया ओर उसमे प्रशासन बडे अनाज माफीया को छोड़कर छोटे-मोटे कर्मचारी ओर ट्रक मालिक पर एफआईआर दर्ज कर मामले को दबा रहा है...? जबकी नियम अनुसार कार्यवाही परिवहन ठेकेदार ओर इस वेयर हाऊस का जो संचालक है नितेश अग्रवाल उस पर होना थी। लेकिन भाजपा के दबाव मे जिला प्रशासन कार्यवाही नही कर रहा है। अगर प्रशासन परिवहन ठेकेदार ओर वेयर हाऊस के संचालक पर एफआईआर दर्ज नही करता है तो आने वाले समय मे बडे स्तर पर कलेक्टर का घेराव किया जाएगा उसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

परिवहन ठेकेदार ने मीडीया को दिया गलत कथन

परिवहन ठेकेदार नितेश अग्रवाल ने मीडीया मे एक यूट्यूब चैनल पर अपने ऊपर लगे आरोपो को निराधार बताया था ओर कहा था कि, इस अनाज के परिवहन मे मेरा कोई लेना देना नही है। उस पर भील सेना संगठन के संस्थापक शंकर बामनिया ने हमला बोलते हुए कहा कि, जब परिवहन का ठेका नितेश अग्रवाल का है वेयर हाऊस के संचालक नितेश अग्रवाल है तो फिर कैसे इस अनाज की कालाबाजारी मे शामिल नही हो सकता है। अगर इस अनाज मामले मे कोई लेना-देना नही है तो जो सुनील अग्रवाल है वो किसकी अनुमति से बेहडवा वेयर हाऊस ट्रको मे अनाज भरकर गूजरात के सूरत बेचने ले जा रहा था...? कोन है ये सुनील अग्रवाल कहीं नितेश का ही रिश्तेदार तो नहीं... ! या इनके घर का सदस्य है... ! फिर कैसे ये इसमे शामिल नही है...? कही न कही इस मामले को दबाने के लिए इस तरह का बयान नितेश अग्रवाल मीडीया को दे रहा है। जिसे प्रशासन द्वारा नजर अंदाज कर इस परिवहन ठेकेदार नितेश अग्रवाल को मूख्य आरोपी बनाना चाहिए।

असाधारण इच्छाशक्ति वाले एक शानदार विचारक थे शास्त्री जी- सुरपाल अजनार

माही की गूंज, जोबट।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री की पुण्यतिथि कांग्रेस कार्यालय जोबट में मनाई गई। इस अवसर पर सुरपाल अजनार ने कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि, शास्त्री जी असाधारण इच्छाशक्ति वाले एक शानदार विचारक थे। जिन्होंने अपने जीवन में कठिनाइयों को बड़ी सरलता से पार किया। शास्त्री जी बचपन में दो बार गंगा नदी को पार करके स्कूल जाया करते थे और वह जाति व्यवस्था के विरोधी थे इसलिए उन्होंने अपना सरनेम हटा लिया था। ऐसे विचारक को आज हम पुण्यतिथि पर नतमस्तक होकर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं से भी यही अनुरोध करूंगा कि, उनके मार्गदर्शन एवं पद चिन्हों पर चलने का प्रयत्न करें।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य हजरी जिला प्रवक्ता सुनील खेड़े ,सरदार अजनार, यतीन्द्र शर्मा वकील साहब जनपद सदस्य फतेसिंह कछवा, रहीस पठान, लकी मिश्रीलाल राठौड़ एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ग्राहक सुविधा केंद्र या कियोस्क सेंटरों पर बढ़ने लगी भीड़

माही की गूंज, आम्बुआ।

देश के प्रधानमंत्री द्वारा डिजिटल इंडिया के आव्हान का असर ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई देने लगा है। यही कारण है कि, ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित ऑनलाइन सेंटरों पर प्रतिदिन भीड़ देखी जा सकती है।

आम्बुआ कस्बे में विगत दो-तीन वर्षों में कई कियोस्क सेंटर या ग्राहक सुविधा केंद्रों के संचालन बड़े हैं। ग्रामीण क्षेत्रों के वे ग्रामीण जो कि बैंक में खाता खुलवाने, पैसे निकालने, खातों में कितनी रकम है आदि के लिए इन सेंटरों पर प्रतिदिन आ रहे हैं जिस कारण सेंटरों पर भारी भीड़ देखी जा सकती है। आम्बुआ में लगभग 8-10 ऐसे सेंटर है जिन पर भीड़ देखी जा रही है। इन दिनों सबसे अधिक स्कूली छात्र-छात्राओं तथा बेरोजगारों की है जो कि अपने बैंक खातों में आधार, मोबाइल नंबर आदि जुड़वाने तथा प्रदेश में नौकरी हेतु निकली भर्तियों के लिए ऑनलाइन फार्म भरने, शुल्क जमा कराने हेतु आ रहे हैं। ग्रामीण वृद्धा पेंशन, किसान सम्मान निधि केवाईसी आदि की राशि की स्थिति पुछने तथा पैसे निकालने हेतु घंटों इन केंद्रों पर लाइन लगाकर खड़े देखे जा सकते हैं। ऐसे दृश्य आम्बुआ में भी देखे जा रहे हैं।

और अब शिक्षण संस्थाओं में साइकल नहीं मोटरसाइकिल स्टैंड की जरूरत

माही की गूंज, आम्बुआ।

समय को परिवर्तनशील कहा जाता है। पूर्व समय के अनुसार शैक्षणिक संस्थाओं में छात्र-छात्राएं कई किलोमीटर दूर से पैदल आकर शिक्षा ग्रहण करते थे फिर साइकिलों से और अब मोटरसाइकिल से आ जा रहे हैं। जिस कारण संस्थाओं में बाइक स्टेन्डों की जरूरत महसूस की जाने लगी है। साथ जो अवयस्क बाइक चालक बाइक को आने-जाने में उपयोग कर रहे कर रहे हैं उनके कानूनन लाइसेंस भी जरूरी करने चाहिए। अन्य यातायात नियमों की जानकारियां जो कि समय समय पर दी जाती है उसका पालन कराना भी जरूरी है।

इन दिनों छेटी शिक्षण संस्थाओं में बच्चे भले ही पालकों के साथ आते हो मगर माध्यमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षण संस्थाओं में छात्र-छात्राएं दोपहिया वाहनों यानी कि बाइक से आना-जाना कर रहे हैं। कुछ समय पूर्व तक शिक्षण संस्थाओं में साइकिल स्टैंड हुआ करते थे जहां पर छात्र-छात्राएं तथा शिक्षक साइकिल खड़ी करते थे। वर्तमान में एक स्तर तक के छात्र-छात्राओं को शासन की ओर से साइकिलें दी जा रही है। मगर देखा जा रहा है कि, माध्यमिक स्तर से ऊपर के छात्र-छात्राओं के द्वारा मोटरसाइकिल लाना अधिक पसंद किया जा रहा है। फिर भले ही पालको को कर्जा कर या उपज बेच कर इनकी व्यवस्था क्यों न करना पड़े। बढ़े हुए पेट्रोल के भाव भी इन पर कोई प्रभाव नहीं डाल रहे हैं। ये ही नहीं यह यातायात के नियमों को प्रतिदिन नहीं अपितु प्रति मिनिट तोड़ते देखे जा सकते हैं। हाई सेकेंडरी स्तर तक के अनेक अवयस्क वाहन चालक दो पहिया वाहन पर तीन चार और कभी-कभी पांच सवारियों के साथ बाजारों तथा सड़कों पर फर्राटा भरते दिख जाएंगे। इन बाइकों को शिक्षण संस्थाओं में खड़ी करने हेतु स्टैंड की जरूरत के साथ ही प्रशासनिक स्तर पर के अवयस्क चालकों को समझाइश तथा नहीं मानने पर दंडात्मक कार्यवाही अवयस्कों के साथ-साथ पालकों पर करना जरूरी माना जा रहा है, ताकि इन्हें किसी दुर्घटना से बचाया जा सके।

स्वास्थ विभाग की कायाकल्प टीम ने स्वास्थ केंद्र का किया निरीक्षण

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ कस्बे में नवनिर्मित स्वास्थ केंद्र भवन में संचालित हुए स्वास्थ केंद्र पर विभाग की कायाकल्प टीम द्वारा निरीक्षण किया गया तथा आवश्यक निर्देश दिए। केंद्र में व्याप्त कमियों आदि के बाद केंद्रों को कितने अंक दिए जाएंगे यह बाद में पता चलेगा। निरीक्षण हेतु डॉ. राकेश डावर एवं कुमारी चंपा चौहान झाबुआ से आए थे।

गूंज संवाददाता को मिली जानकारी के अनुसार जिला चिकित्सालय झाबुआ से जिला अलीराजपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी के अधीनस्थ प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नानपुर तथा आम्बुआ स्वास्थ केंद्र पर कायाकल्प टीम जिसमें राकेश डावर एवं कुमारी चंपा चौहान आम्बुआ में नवनिर्मित भवन जिसमें अनेक कमियों की चर्चा विगत दिनों से समाचार पत्रों की सुर्खियां बनी हुई है मे टीम ने निरीक्षण किया भवन के अंदर दी जा रही सेवाओं हेतु उपलब्ध सामग्रियों साफ-सफाई, दवाइयों आदि के रखरखाव, दवा कक्ष, ड्रेसिंग कक्ष, लैब (प्रयोगशाला) तथा प्रसूति कक्ष, चिकित्सक कक्ष आदि का निरीक्षण किया भवन के अंदर बाहर की सफाई, पेयजल, निस्तार जल, नलो आदि की जानकारी दी गई ली गई। टीम द्वारा संबंधित चिकित्सकों तथा अन्य कर्मचारियों से उनके द्वारा दी जा रही सेवाओं के विषय में चर्चा की। निरीक्षण के बाद स्वास्थ्य केंद्र को कितने अंक दिए जाएंगे यह बाद में पता चलेगा। इस अवसर पर बीएमओ डॉ. गीत वर्मा, बीईई सवैसिंह चौहान, लेखापाल परमार, डॉ. हितेश मशीह, डॉ. देवड़ा, आयुष चिकित्सक श्रीमती सविता डावर तथा अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

ग्रामीणों ने अनाज योजन में भ्रष्टाचार को लेकर विधायक एवं कांग्रेसी नेता पटेल को सौंपा ज्ञापन

ग्रामीणों ने जनसुनवाई में कलेक्टर को आवेदन सौंपकर लगाई गुहार

माही की गूंज, उदयगढ/कनास।

जिले के उदयगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत पानगोला के सैकड़ों ग्रामीणों ने समूह द्वारा संचालित उचित मुल्य की दुकान संचालक द्वारा अनाज वितरण योजना में हितग्राहियों को अनाज न देते हुए भारी भ्रष्टाचार को लेकर विधायक मुकेश पटेल एवं जिला कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष महेश पटेल को एक ज्ञापन सौंपा। वहीं दूसरी ओर ग्रामीणों ने जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर राघवेंद्रसिंह को भी इस संबंध में आवेदन सौंपकर न्याय की गुहार लगाई है।

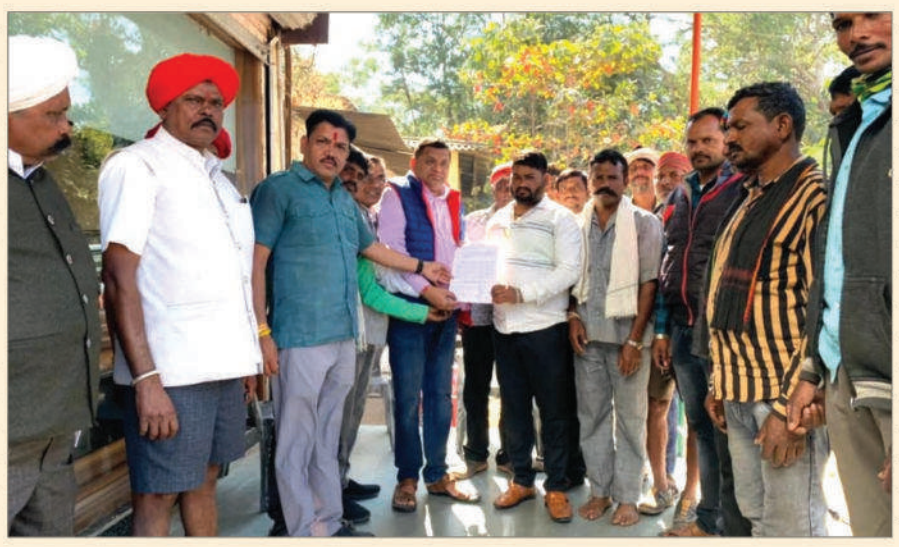

क्या है ज्ञापन में

ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए ज्ञापन पश्चात कांग्रेसी नेता पटेल ने बताया कि, इस मामले में कलेक्टर एवं जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी को पत्र लिखकर अवगत कराकर दुकान संचालक के खिलाफ जांचकर कड़ी कार्रवाई की मांग की जाएगी। ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए आवेदन मे उन्होने बताया कि, ग्राम पंचायत पानगोला मे शासकीय उचित मुल्य की दुकान का संचालक रामबाई पति सरदार स्वयं सहायता समुह द्वारा किया जा रहा है। जिसमे मुख्यमंत्री एंव प्रधानमंत्री अनाज वितरण योजना मे हितग्राही को अनाज ना देकर यह अनाज बाजार में बेचा जा रहा है। जबकि फिंगर मशीन पर दोनो योजना का फिंगर गरीब आदिवासी से लिया गया है और मशीन पर अनाज वितरण हो गया ऐसा बता रहा है। जबकी किसी को भी अनाज नही मिला है एवं ग्राम निवासी गरीब आदिवासी ने इसके खिलाफ नाराजगी व्यक्त भी कि गई है। संचालक रामबाई पति सरदार द्वारा सुनियोजित ढंग से षडयन्त्रपूर्वक यह कार्य किया जा रहा है, जो की पुर्ण रूप से गलत है। ग्रामीणों ने मांग कि है कि, तत्काल प्रभाव से गोदाम एंव व्यवसाय स्थल की जॉच कर दोषीयों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत पानगोला के थानसिंह डावर, केलसिंह डावर, भोला सेकड़िया, हजरु नाहरसिंह, मगनसिंह, जोगड़िया, सुमेरसिंह, चंदरसिंह, जामसिंह, नानसिंह सहित बड़ी संख्या मे ग्रामीणजन मौजूद थे।

विकास खण्ड में पंचायत चुनाव के दौरान हुई थी भारी धांधली, गुणावद सरपंच प्रशासन के आदेश के बाद बदला

प्रशासन और चुनावकर्मियों की गलती का खामियाजा, 7 माह बाद हुआ निर्णय

अज्ञानता की वजह से नहीं जा पाये न्यायालय वरना कई मामले होते उजागर, अभी भी कुछ मामले न्यायालय में लंबित

जीत के बाद याचिकाकर्ता सरपंच गमना भाभर अपने वकील और समर्थकों के साथ।

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पेटलावद के न्यायालय से सोमवार को ग्राम पंचायत चुनाव को लेकर हुए एक निर्णय में गतवर्ष सम्प्पन त्रि-स्तरीय ग्राम पंचायत चुनाव प्रक्रिया में बड़ी हेरा-फेरी ओर धांधली होना साबित हो चुका है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिल कुमार राठौर के न्यायालय से एक बड़ा फैसला निकलकर सामने आया। जिसमे उन्होंने पिछले 7 माह पूर्व मई में सम्पन्न हुआ, त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में ग्राम पंचायत गुणावद के सम्बंध में निर्वाचित हुए सरपंच बसंतीलाल की जगह गमना भाभर को पुनःमतगणना के बाद निर्वाचीत घोषित कर दिया है ।

मतदान के बाद हुए निर्णय को चुनौती दी थी हारे प्रत्याशी ने, हर तारीख पर उमड़ता था पूरा गांव

ग्राम पंचायत गुणावद के रहने वाले गमना भाभर जो कि, ग्राम पंचायत सरपंच पद के लिए खड़े हुए थे और चुनाव परिणाम में उनकी हार हुई थी। लेकिन खुद गमना और गांव वालों को इस निर्णय पर यकीन नही था, मतदान ओर मतगणना में गड़बड़ी साफ लग रही थी। जसको लेकर एक याचिका पंचायत अपीलीय अधिकारी एवं अनुविभागीय न्यायालय में एक याचिका अपने अधिवक्ता विनोद पुरौहित ओर रविराज पुरोहित की ओर से प्रस्तुत की गई थी। जिसमे बूथ न.31 पर मतगणना में गड़बड़ी को लेकर पुनःमतगणना की मांग की गई थी। याचिका में सभी पक्षो की सुनवाई के बाद एसडीएम अनिल कुमार राठोर ने याचिकाकर्ता की याचिका को दिनाक 8 जनवरी को स्वीकार करने के बाद बूथ न. 31 के मतपत्रों की पुनःमतगणना के आदेश जारी किये गए थे।

पुनःमतगणना के लिये बनाया दल

आदेश के परिपालन में बतोर निर्वाचन अधिकारी के रूप में निर्वाचन दल जिसमे की तहसीलदार और रिटर्निंग अधिकारी जगदीश वर्मा, नटवरलाल नागर, नरेंद्र कुमार मोनन्त, नईमुद्दीन काजी, राहुल सतोगिया, एडवोकेट रविराज पुरोहित, एडवोकेट मनोज पुरोहित ओर याचिकाकर्ता की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम में रखे मतपत्रों को वीडियोग्राफी करवाते हुए, बूथ. 31 की पुनःमतगणना की गई। मतपेटी का स्ट्रांग रूम खोलकर मतों की फिर से गिनती की गई। गिनती के बाद प्रारूप 17 में तैयार की गई नई सारणी का मिलान, मतों की संख्या का मिलान, अन्य 6 बूथों के प्रारूप, 17 से जोड़कर सभी बूथों की सारणी प्रारूप, 21 में तैयार कर के मतों की गिनती की गई। जिसमें याचिकाकर्ता गमना को कुल 666 ओर विपक्षी बसंतीलाल को 543 वोट मिलने से याचिका को पूर्व में हुई गिनती के विरुद्ध 123 अधिक मत याचिकाकर्ता गमना गामड़ को प्राप्त होने से याचिकाकर्ता को विजयी घोषित करते हुए पूर्व में घोषित बसंतीलाल को जारी निर्वाचन प्रमाण पत्र निरस्त कर दिया है।

चुनाव दल और पीठासीन अधिकारी के कारण गणना पत्राक में हुई थी त्रुटि

इस पूरे मामले में बूथ न. 31 के पीठासीन गोवीदसिंह भाभर शिक्षक माध्यमिक विद्यायल गड़ी पेटलावद सहित पूरे चुनाव दल की त्रुटि से पूरा मामला बना। जिन्होंने पीठासीन अधिकारी के रूप में चुनाव के समय बूथ 31 के मतों की गणना पत्रक प्रारूप 17 में अभ्यर्थीयो को मिले वोट की सूची में काटापिटी ओर नमो के समुक मिले वोटो को गलत आंकड़े भरते हुए। दिनेश मुणिया नामक अभ्यर्थी को 170 ओर गमना को 5 वोट मिलना दशार्या था। जबकी गिनती में उक्त 170 वोट याचिकाकर्ता को मिलने की पुष्टि हुई। अर्थात पीठासीन अधिकारी गोविदसिह भाभर ने गणना पत्रक में त्रुटि करने से बसंतीलाल को निर्वाचीत घोषित कर दिया गया था। जो याचिका के माध्यम से निरस्त हुआ है। पूरे मामले में एसडीएम अनिल राठौर ने निर्वाचन जैसे महत्वपूर्ण कार्य मे लापरवाही के कारण पीठासीन अधिकारी गोविंदसिंह भाभर के खिलाफ अलग से विभागीय कार्रवाई भी किये जाने के संकेत दिए है। इस पूरे मामले में याचिकाकर्ता गमना भाभर ओर उनके अधिवक्ता विनोद पुरोहित ने बताया कि, पूरे मामले में सच की जीत हुई है और आमजन का न्याय व्यवस्था पर विश्वास बड़ा है।

पूर्व एसडीएम के नेतृत्व में हुई बड़ी लापरवाही, आखिर कैसे हुआ सम्मान

माही की गूंज द्वारा पेटलावद चुनाव के दौरान ओर बाद में की गई रिपोटिंग में ये खुलासा कई बार किया गया कि, पूर्व आईएएस अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी पेटलावद शिशिर गेमावत के नेतृत्व में सम्पन्न चुनावों में भारी लापरवाही की गई और चुनाव के लिए भेजे गए दलों को समय पर नही भेजा गया। साथ ही चुनाव दल में टीम के कम लोग भेजे गए, साथ ही बिना ट्रेनिग ओर अनुभव के कर्मचारियों को भी दल में शामिल किया गया। जिसके चलते मतदान से लेकर गिनती की प्रक्रिया निपटने तक भारी लापरवाही हुई। जिसके नीतिजन कई पंचायतों में गड़बड़ी सामने आई है। चुनाव के बाद पूर्व कलेक्टर द्वारा चुनाव संपन्न करवाने के लिए जिम्मेदार अधिकारीयो का सम्मान किया, वही पूर्व एसडीएम द्वारा विकास खण्ड के कर्मचारियों का सम्मान चुनाव प्रक्रिया सही और अच्छे से निपटाने के लिए सम्मान किया था। अब ये सवाल खड़े हो रहे हैं कि, ऐसी भारी लापरवाहीयो के बाद भी किस प्रकार का सम्मान किया गया।

पहले भी हटाया जा चुका है एक सरपंच, कई मामले अब भी लंबित, अज्ञानता की वजह से नहीं पहुंच पाए न्यायालय

पेटलावद विकास खण्ड का ये पहला मामला नही है। चुनाव परिणाम के ठीक बाद ग्राम पंचायत रामपुरिया के सरपंच को कलेक्टर द्वारा हटाया जाकर, दूसरे सरपंच को विजेता घोषित किया गया था। दूसरा मामला गुणावद का सामने सात माह बाद आया। अभी ग्राम पंचायत मोईचारणी, मोइवाघेली, मोहनपुरा पंचायत के मामले न्यायालय में लंबित है जो हमारी जानकारी में है। चुनाव परिणाम के बाद पेटलावद न्यायालय में धांधली की शिकायतों की बाढ़ सी आ गई थी, लेकिन अज्ञानता के कारण कई मामले न्यायालय में प्रकरण नही बन पाए। प्रत्याशियों द्वारा मतदान की गिनती के बाद पीठासीन से प्रमाणपत्र नही लिया, तो कई बूथों पर दल द्वारा प्रत्याशीयो या उनके और से गिनती में बैठे सदस्यों को केवल मौखिक जानकारी दी गई। जिस कारण पर्याप्त प्रमाण की कमी के चलते न्यायालय में मामले स्वीकार नही हो सके। केवल सरपंच पद के लिए ही नही पंच, जनपद और जिला पंचायत चुनाव में धांधली के आरोप लग चुके हैं जिसकी जांच होना चाहिए।

ट्रेंनिग का क्या मतलब, कई पीठासिनो ओर दल के सदस्यों को नही पता क्या करना है

चुनाव से पूर्व प्रशासन द्वारा अलग-अलग माध्यम से चुनाव समन्न करवाने के लिए हर पहलू की ट्रेंनिग दी जाती है। लेकिन इसके बाद भी इस प्रकार से चुनाव में घोर लापरवाही की जाती हैं। सबसे बड़ा कारण दल के प्रमुख पीठासीन अधिकारी होते हैं, जिनको सिर्फ सीनियर होने के नाम पर चुनाव का कम ज्ञान और अपरिपक्व होने के बाद भी लीडर बना दिया जाता है। प्रशासन की और से इस दल को चुनाव स्थल पर समय से नही भेजा जाता और न ही चुनाव सामग्री पूरी दी जाती है। चुनाव के दौरान कई बूथों पर सामग्री के लिए चुनाव दल भटकते रहे तो कई बूथों की सामग्री बदल कर उपलब्ध करवाई गई। ऐसी लापरवाही के साथ कैसे ईमानदारी से चुनाव समन्न होंगे। निर्वाचन आयोग द्वारा इस मामले को संज्ञान में लेकर जांच की जानी चाहिये और जिस अधिकारी द्वारा लापरवाही की गई है उस पर कार्रवाई होना चाहिये, ताकि इस प्रकार की लापरवाही भविष्य न हो।

जिले में चल रहे धर्मांतरण के मुद्दे की प्रशासन ने जांच के बाद निकाली हवा

धर्मांतरण के मुद्दे पर विहिप को खानी पड़ रही मुंह की, अवैध चर्च का दावा खारिज

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। जिले में वर्षों से चल रहे धर्मांतरण के मुद्दे पर चौकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। विहिप और तमाम हिंदूवादी संगठनों की लाख कोशिश के बावजूद प्रशासन ने जांच के बाद धर्मांतरण का मुद्दा मिथक साबित कर दिया है। या यूं कहें कि इस जांच रिपोर्ट के बाद विहिप और उससे जुड़े हिन्दुवादी संगठनों की प्रशासन ने हवा निकाल कर रख दी है। धर्मांतरण का मुद्दा जिले में कोई नया मामला नहीं है। इस मुद्दे को राजनीतिक दलों और हिन्दुवादी संगठनों ने हमेशा ही भुनाया है। असल में यह मुद्दा जिले में सिर्फ राजनीतिक स्वार्थ और कुछ लोगों की अपनी रोटियां सेकने के अलावा कुछ नहीं रहा। जिले की सीधी-साधी आम जनता ने इसमें कभी अपनी गंभीर रूची नहीं दिखाई है। राजनीतिक रोटियों और स्वार्थ सिद्धी के अलावा इस मामले में ठोंस होता कुछ दिखाई नहीं दिया। तमाम हो हल्ले के बाद विहिप और उससे जुड़े तमाम हिन्दुवादी संगठन हमेशा पिछले पैर ही नजर आए है।

धर्मांतरण का यह मुद्दा वर्षों से जिले में चला आ रहा है लेकिन बावजूद इसके इसे रोका नहीं जा सका। इसमें सीधे तौर पर हो हल्ला करने वाले हिन्दुवादी संगठन ही जिम्मेदार दिखाई पड़ते है। धर्मांतरण के नाम पर ईसाई मिशनरी को निशाना बनाने वाले यह संगठन कभी भी धर्मांतरण के इस मुद्दे को लेकर गंभीर नहीं दिखाई दिए। हालांकि विहिप द्वारा रैलियों और आमसभाओं के माध्यम से इसे रोकने का ढकोसला जरूर किया गया। जिले में हिंदूवादी संगठन अवैध धर्मांतरण और जिले में अवैध रूप से सरकारी जमीनों पर प्रार्थना स्थल और चर्च निर्माण का दावा करते रहे है। मगर जिले में जमीनी स्थिति इससे कोसो दूर ही नजर आ रही है। भले ही अधिकृत रूप से या कागजी तौर पर धर्मांतरण जिले में नहीं हुए लेकिन यह हकीकत है कि जिले में कई गांव ऐसे है जो पूरी तरह से धर्मांतरित हो चुके है। पिछले दो दशक में इस परिस्थिति में खासा बदलाव आया है जब कई ग्रामीणों और आदिवासियों ने धर्मांतरित होकर ईसाई धर्म अपनाया है। इस मुद्दे पर तमाम हिन्दुवादी संगठनों की कवायद सिफर ही नजर आई है या ये तमाम संगठन सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सेकने मात्र के लिए इस मुद्दे को भुनाते आए है। इसके अलावा जमीनी स्तर पर जो चल रहा है वह तो चल ही रहा है...। वैसे भी आंकड़े यह बताते है कि, भाजपा के शासन काल में जिले में धर्मांतरण लगातार बढ़ा ही है।

इधर ईसाई मिशनरी हिन्दुवादी संगठनों के तमाम विरोधों के बावजूद अपनी लाईन लंबी करने में लगी हुई है। ग्रामीण आदिवासियों तक शिक्षा, स्वास्थय और तमाम तरह की सुविधाओं को लगातार पहुंचा रही है। यही वह कारण है जो ग्रामीणों को धर्मांतरित होने पर मजबूर कर रहा है। हालांकि इससे से इंकार नहीं किया जा सकता कि, यह धर्मांतरण के लिए प्रलोभन हो। मगर यह भी एक हकीकत है कि मिशनरी की तरह हिंदूवादी संगठन या सरकार इन आदिवासी ग्रामीणों तक यह सुविधाएं पहुंचाने में पूरी तरह से नाकाम नजर आ रहे है। स्थितियां तो यही बताती है कि, जिले में सिर्फ रैलियों और सभाओं के जरिए धर्मांतरण को नहीं रोका जा सकता। धर्मांतरण को रोकने के लिए सरकार व हिन्दुवादी संगठनों को कुछ अलग करके दिखाना होगा।

यह हुई शिकायत

पिछले साल अक्टूबर माह में विहिप धर्म प्रसार के आजाद प्रेमसिंह डामोर ने सीएम हेल्प लाईन पर शिकायत की थी कि, तहसीलदार रामा सुनील डावर और पटवारी अंजलि खतेडिया ने गांव टिचकिया में आदिवासी के अवैध ईसाई धर्मांतरण और

अवैध चर्च से जुड़े तथ्य छुपाकर गलत जांच की है। सत्यता को छुपाकर ईसाई मिशनरी संस्था और अवैध चर्च का सहयोग किया। आदिवासी की जमीन पर सर्वे नंबर 127 पर अवैध चर्च निर्माण किया गया। यह भू-राजस्व संहिता का उल्लंघन है। आदिवासी की जमीन गैर आदिवासी को हस्तांतरित नहीं की जा सकती। अवैध चर्चों में सामुहिक रूप से आदिवासियों का धर्म परिवर्तन किया जाता है। स्वेच्छा से धर्मांतरण के लिए भी जिला मजिस्ट्रेट की अनुमति आवश्यक है। यहां न धर्मांतरण की अनुमति है और न ही चर्च निर्माण की।

आजाद प्रेमसिंह की इस शिकायत के बाद राजस्व विभाग ने मामले में जांच शुरू की। जांच के बाद प्रशासन ने इस शिकायत को सिरे ही खारिज कर दिया।

रिपोर्ट में बताया गया कि, प्रार्थना स्थल सरकारी जमीन पर नहीं है। अवैध धर्मांतरण की बात से भी रिपोर्ट में इंकार किया गया है। अधिकारियों ने जांच रिपोर्ट में लिखा कि, उन्हें लोगों ने बताया कि, वो आदिवासी है और धर्म नहीं बदला है। हां प्रार्थना जरूर ईसाई धर्म के अनुसार करते है। रिपोर्ट में प्रशासन ने बताया कि, जबरन धर्मांतरण के कोई तथ्य सामने नहीं आए है। रामा तहसील में 11 स्थानों पर प्रार्थना घर बने हुए है जो सभी निजी जमीन पर है और लगभग 20 वर्षों पुराने है। शिकायतकर्ता ने जो 56 चर्च बताएं है वह रामा तहसील क्षेत्र से बाहर के हैं। इसके अलावा धर्मांतरित आदिवासी को आरक्षण का लाभ नहीं देने की मांग भी सीएम हेल्प लाइन पर की गई थी। इस मामले में अधिकारियों ने लिखा कि, ऐसे प्रकरण जो कोर्ट में चल रहे है उनका निराकरण यहां किया जाना संभव नहीं है।

जांच टीम के अनुसार सर्वे नंबर 127 पिदू के नाम पर दर्ज है, इसी पर प्रार्थना घर बना हुआ है जो पुर्णतः निजी भूमि है। रविवार और बुधवार को यहां ईसाई धर्म के अनुसार प्रार्थना की जाती है। भूमि स्वामी ने स्वेच्छा से अपनी जमीन पर प्रार्थना घर बनवाया है जो 30 वर्ष पुराना है। पिदू के वारिसों ने बताया कि, हम आदिवासी हैं। हमने ईसाई धर्म में धर्मांतरण नहीं किया है। हम केवल ईसाई धर्म की प्रार्थना के लिए एकत्रित होते है। रविवार को ग्राम टिचकिया, झिरावदिया, धांधलपुरा, गोमला सहित आसपास के गांवों से लोग शामिल होते है। प्रार्थना करवाने वाले रमेश नलवाया या किसी और के द्वारा आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक लालच नहीं दिया जाता। डरा धमका कर भी प्रार्थना में नहीं बुलाया जाता। इस रिपोर्ट के आधार पर एसडीएम सुनील कुमार झा ने शिकायत का निराकरण किया।

इसके पहले भी विहिप ने कई साल से अवैध धर्म स्थल तोडने को लेकर भी आंदोलन किए, रैलियां निकाली। पिछले वर्षों में जिला मुख्यालय पर बन रहे बड़े चर्च को लेकर हंगामा किया था, जिसके बाद चर्च निर्माण का मामला खटाई में पड़ गया था। मगर बहुत थोड़े समय में ही विहिप का बड़े चर्च निर्माण के खिलाफ छिड़ा आंदोलन ढाक के तीन पात साबित हो गया। उच्च न्यायालय तक पहुंची इस लड़ाई का निर्णय भी मिशनरी के पक्ष में आया और आज जिला मुख्यालय का बड़ा चर्च का निर्माण पुर्ण हो चुका है। ईसाई धर्मावलंबि अब नए बने इस चर्च में अब अपनी प्रार्थनाएं और तमाम त्यौहार उत्साह के साथ मना रहे है।

इस रिपोर्ट के सार्वजनिक होने के बाद यह तो स्पष्ट है कि, विहिप और तमाम हिंदूवादी संगठनों के मुंह पर यह करारा तमाचा है। यह दूसरा मौका है जब ऊंट हिंदूवादी संगठनों को छोड़ ईसाई मिशनरी की करवट पर बैठा है। यह सबक भी है कुछ सीखने और अपने आपको मजबूत करने का। मगर यहां सबसे पहले स्वार्थ सिद्धी को दरकिनार करना होगा। राजनीतिक रोटियां सेकनी बंद करनी होगी। तब ही संभव हो पाएगा धर्म को बचाना। वैसे भी एक लोकप्रिय संस्कृत वाक्यांश है जो महाभारत और मनुस्मृति में मिलता है ''धर्मो रक्षति रक्षित'' इसका अर्थ है ''रक्षित धर्म ही रक्षक की रक्षा करता है''। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह तय है कि, जिले में किसी भी सूरत में धर्मांतरण रोका ही नहीं जा सकता।

आखिर क्या है प्रशासन के अतिक्रमण हटाने के मापदंड

मनमर्जी से कहीं भी पहुँच जाता है अतिक्रमण का अमला, तो न्यायालय के फैसले के बाद भी नहीं होती सुनवाई

माही की गूंज, पेटलावद।

कार्यालय कलेक्टर जिला झाबुआ
—:जनसुनवाई आवेदन प्राप्ति एवं निराकरण रसीद:—

श्री / सुश्री / श्रीमति ननु पिता भेरु मुणिया निवासी ग्राम बनी तहसील / विकासखंड पेटलावद द्वारा दिनांक 20/12/2022 को प्रस्तुत आवेदन जो जनसुनवाई पंजी में क्रमांक 52914 पर दर्ज है। आवेदन के निराकरण के संबंध में दिनांक 27/12/2022 को संबंधित विभाग के अधिकारी के समक्ष उपस्थित हो सकते है। संतुष्टि नहीं होने पर कलेक्टर कार्यालय में उपस्थित हो सकते हैं।

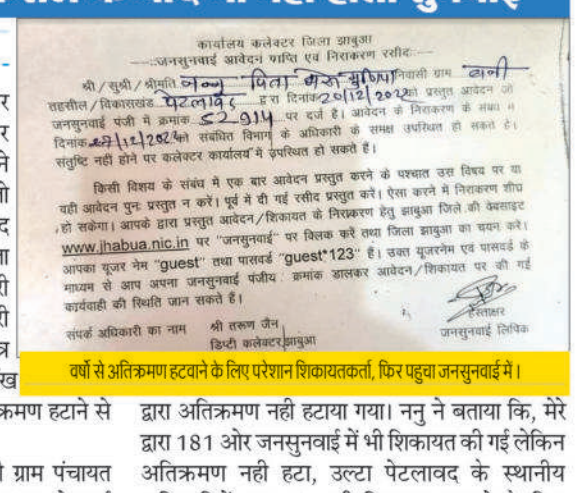

किसी विषय के संबंध मे एक बार आवेदन प्रस्तुत करने के पश्चात उस विषय पर या वही आवेदन पुनः प्रस्तुत न करें। पूर्व में दी गई रसीद प्रस्तुत करें। ऐसा करने मे निराकरण शीघ्र हो सकेगा। आपके द्वारा प्रस्तुत आवेदन/शिकायत के निराकरण हेतु झाबुआ जिले की वेबसाइट www.jhabua.nic.in पर "जनसुनवाई" पर क्लिक करें तथा जिला झाबुआ का चयन करें। आपका यूजर नेम "guest" तथा पासवर्ड "guest*123" है। उक्त यूजरनेम एवं पासवर्ड के माध्यम से आप अपना जनसुनवाई पंजीय क्रमांक डालकर आवेदन/शिकायत पर की गई कार्यवाही की स्थिति जान सकते हैं।

संपर्क अधिकारी का नाम श्री तरूण जैन, डिप्टी कलेक्टर झाबुआ

हस्ताक्षर
जनसुनवाई लिपिक

वर्षो से अतिक्रमण हटवाने के लिए परेशान शिकायतकर्ता, फिर पहुचा जनसुनवाई में।

प्रशासन का अतिक्रमण मुहिम को लेकर दोहरा रवैया सामने आया है। एक और प्रशासन कभी भी कही भी अतिक्रमण हटाने का अमला लेकर पहुच जाता है और जो ढालिये, ओटले, गुमटी अतिक्रमण की जद में दिखती हैं उन्हें बेतरकीब हटवा दिया जाता है। इस दौरान पूरा अमला और अधिकारी एक्शन मोड़ पर दिखाई देते हैं। वही दूसरी और खुद की न्यायालय सहित सत्र न्यायालय के निर्णय बाद भी प्रशासन आँख बंद कर बिल्ली की भांति दूध पी कर अतिक्रमण हटाने से बचता है।

मामला झकनावदा ठप्पा तहसील की ग्राम पंचायत बनी का है। जो लम्बे समय से मीडिया के माध्यम से चर्चा में है, यहां आवेदक ननु पिता भेरू मुनिया द्वारा घर के आगे अन्य व्यक्ति द्वारा अतिक्रमण होने की शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसकी जांच की गई सीमांकन किया गया, मौके पर कई बार विवाद हुए। पुलिस प्रकरण तक बने चुके और तहसील न्यायालय से लेकर जिला न्यायालय तक जितने के बाद भी आज तक प्रशासन ने अतिक्रमण नही हटाया। खानापूर्ति के लिए एक बार प्रशासन आधा अधूरा अतिक्रमण हटाकर आ भी गया, लेकिन आज भी शिकायतकर्ता अतिक्रमण हटाने के लिए जिला कलेक्टर ओर एसडीएम राजस्व के कार्यालय के चक्कर काट रहा है।

फाइल फोटो, विगत दिनों रायपुरिया में प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण।

शिकायतकर्ता ननु मुनिया ने बताया कि, मेरे द्वारा तहसील न्यायालय में शिकायत की गई थी जहां से जीत के बाद विपक्षी द्वारा एसडीएम न्यायालय में अपील की वहां से जितने के बाद विपक्षी ने कलेक्टर महोदय को शिकायत की वहां से विपक्षी की शिकायत खारिज कर दी गई। विपक्षी स्टे हेतु न्यायालय की शरण मे भी गया था। लेकिन प्रथम न्यायालय के बाद जिला न्यायालय से भी स्टे नही मिला और फर्जी पट्टा प्रस्तुत कर धोखाधड़ी करने पर न्यायालय में प्रकरण चल रहा है, इसके बाद भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमण नही हटाया गया। ननु ने बताया कि, मेरे द्वारा 181 ओर जनसुनवाई में भी शिकायत की गई लेकिन अतिक्रमण नही हटा, उल्टा पेटलावद के स्थानीय अधिकारियों द्वारा 181 की शिकायत हटवाने के लिए दबाव बनाया जा रहा है और शिकायत हटने पर कार्यवाही की बात कर रहे। जिला कलेक्टर को जनसुनवाई में जो आवेंदन दिया, उस पर कार्यवाही के लिए वापस पेटलावद भेजा जाता है और कहा जाता है, 15 दिन में कार्यवाही नही हो तो वापस आना। विगत तीन-चार वर्षों से में अतिक्रमण हटवाने के लिए तहसील, कलेक्टर कार्यालय, न्यायालय और पुलिस थाने के चक्कर लगा कर प्रताड़ित हो रहा हु। पूरे प्रकरण में विचारणीय प्रश्न ये आ रहा है कि, एक ओर प्रशासन कभी भी कही भी अतिक्रमण हटाने के लिए बिना किसी शिकायत के पहुच रहा है। तो दूसरी ओर वर्षो से चक्कर लगा रहे, शिकायतकर्ता को न्यायालय से न्याय मिलने के बाद भी अतिक्रमण नही हटाया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422